राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 225 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, शनिवार , 26 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

जो राम भक्तों पर गोली चलाते थे आज बजरंगबली का गदा लेकर घूम रहे : योगी

सनातन धर्म ऊंचा रखने के लिए भाजपा सरकार आवश्यक : योगी

संवाददाता

सुलतानपुर। शुक्रवार को सुलतानपुर के कटकाखानपुर में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा को सबोधित किया. 17 मिनट के भाषण में उन्होंने सपा और बसपा पर जमकर हमला बोला और सरकार की उपलब्धियां गिनाई। योगी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान भगवान श्रीराम की धरा धाम पर उनके पुत्र महाराज कुश के द्वारा बसाई गई नगरी है। इस नगरी में मैं आज आप सबके बीच में हूँ। उन्होंने जनता का उत्साह के लिए अभिनन्दन किया। आगे कहा कि यह मान्यता है कि हनुमान जी ने कालनेमि का वध इसी सुलतानपुर में किया था। चुनाव में हम हैं तो मेरा आप सब से आह्वान होगा चुनाव का सबसे बड़ा हथियार है एक वोट। राजनीति के जो कालनेमि हैं उन पर अपने वोट का एक करारा तमाचा मारने की आवश्यकता है। उनको हराकर ही आप कर सकते हैं। 2017 से 22 के बीच पांच साल के अंदर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार को आपने कार्य करते हुए देखा है।

2012 से 17 के बीच समाजवादी पार्टी की सरकार और 2007 से 12 के बीच बहुजन समाज पार्टी की सरकार भी थी। भारतीय जनता पार्टी ने जो कहा है वो करके दिखाया है। भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करके दिखाती है। और यही कारण है जिस प्रदेश में 2017 के पहले सुरक्षा एक चुनौती थी।

जिस प्रदेश में हर दूसरे और तीसरे दिन दंगा होता था। जहां पर आस्था का अपमान होता है और जिस प्रदेश में पेशेवर दंगाई, गुंडे और अपराधी पूरे प्रदेश के अंदर अराजकता का तांडव करते थे। बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं। महिलाएं बाजार नहीं जा पाती थीं। आज वही प्रदेश आपके सामने है। देश के अंदर कानून व्यवस्था की एक नजीर प्रस्तुत करता उत्तर प्रदेश नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। मैं आपके सुलतानपुर आने के पहले अयोध्या में था आपने कल अयोध्या में रोड शो का कार्यक्रम देखा होगा। अयोध्या नगरी पूरी अयोध्या नगरी उमड़ पड़ी थी। भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में फिर एक बार 300 के पार के लक्ष्य को प्राप्त करना है। अयोध्या की पांचों की पांचों सीट अयोध्या की जनता भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में देने को तैयार है। अब तक चार चरणों चुनाव हुए हैं। चार चरणों चुनाव के रुझान आपको बताऊं। चार चरणों के चुनाव परिणाम 10 तारीख को आएंगे।

रुझान इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि विपक्ष के तमाम नेताओं ने अभी से विदेश भागने के लिए अपने टिकट 11 तारीख के लिए बुक करा लिए हैं। और इससे ज्यादा परिवर्तन और क्या हो सकता है। जो लोग राम भक्तों पर गोली चलाते थे और अपनी जेब में तमंचा लेकर राम भक्तों पर गोली चलाते थे।

आज वही बजरंगबली की गदा लेकर घूम रहे हैं।

चुनाव में जब बुरी तरह परास्त होंगे तो मैं कह सकता हूं कि अगली बार यह लोग भी राम भक्तों की कतार में खड़े होकर कारसेवा करते हुए अयोध्या में दिखाई देंगे। और अगर चाहते हैं अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य और तेजी से हो इसके लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार फिर से उत्तर प्रदेश में आवश्यक है। 2017 के पहले आती थी 2017 के पहले बिजली का भी जाति और मजहब हुआ करता था। ईद और मोहर्रम होगा तो बिजली आएगी दीपावली और होली के अवसर पर गायब हो जाती थी। मैं सच बोल रहा हूं यही यही होता था न।

सबको बिजली पर्याप्त बिजली है न कोई भेदभाव नहीं होता है जो गरीब बिजली का कनेक्शन नहीं ले सकता था। सब को कनेक्शन उपलब्ध कराया। और कोरोना महामारी से दुनिया जूझ रही है लाखों लोग मर गए हैं। कोरोना के कारण। लेकिन भाइयों बहनों प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोरोना प्रबंधन कैसे होना चाहिए जीवन को भी बचाया और जीविका को भी बचाया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में रात्रिकालीन कर्फ्यू हटाने का फैसला, पहली अप्रैल से पूरी तरह खुलेंगे स्कूल

एजेंसी, नयी दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने राष्ट्रीय राजधानी में रात्रिकालीन कर्फ्यू सहित कोविड-19 संबंधी सभी पाबंदियां हटाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के स्कूलों में अब 'हाइब्रिड माध्यम (ऑनलाइन और ऑफ्लाइन) से पढ़ाई नहीं होगी और सभी स्कूल एक अप्रैल से पूरी तरह खुलेंगे। वहीं, मास्क नहीं पहनने पर लगने वाला जुर्माना दो हजार रुपये से घटा कर 500 रुपये कर दिया गया है।

वाराणसी में सड़क हादसे में बाल बाल बचे मनोज सिन्हा, राजघाट पुल पर लोहे के खंभे से टकराई कार

संवाददाता, वाराणसी। जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा शुक्रवार सुबह वाराणसी में एक सड़क हादसे में बाल बाल बच गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजघाट पुल पर सिन्हा की कार एक लोहे के खंभे से टकरा गयी हालांकि हादसे में उन्हें कोई चोट नहीं आयी। बता दें कि यह हादसा उस समय हुआ जब सिन्हा वाराणसी से अपने गृहनगर गाजीपुर जा रहे थे कि मालवीय ब्रिज (राजघाट पुल) पर उनकी कार सड़क किनारे एक पिलर से टकरा गयी।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल दे रहा भारत, आम बजट में भी झलकती है प्रतिबद्धता : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर लगातार बल दे रहा है और इस बार के आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों में से 70 प्रतिशत घरेलू उद्योगों के लिए रखा जाना सरकार की इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आम बजट-2022 में रक्षा क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विदेशों से हथियार मंगाने की प्रक्रिया बहुत लंबी है, जिसकी वजह से हथियार भी समय की मांग के अनुकूल नहीं रहते और इसमें भ्रष्टाचार तथा विवाद भी होते हैं, लिहाजा इसका समाधान ''आत्मनिर्भर भारतश्श् और ''मेक इन इंडिया में ही है। उन्होंने कहा कि वेबिनार का विषय 'रक्षा में आत्मनिर्भरता, कॉल टू एक्शनश्श् है और यह देश के इरादों को स्पष्ट करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''बीते कुछ वर्षों से भारत अपने रक्षा क्षेत्र में जिस आत्मनिर्भरता पर बल दे रहा है, उसकी प्रतिबद्धता इस बार के बजट में भी दिखेगी। इस साल के बजट में देश के भीतर ही शोध, डिजाइन और तैयारी से लेकर निर्माण तक का एक वाइब्रेंट इकोसिस्टम विकसित करने का ब्लूप्रिंट है।श्श् उन्होंने कहा, ''रक्षा बजट में लगभग 70 प्रतिशत सिर्फ घरेलू उद्योगों के लिए रखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी से पहले और उसके बाद भी भारत की रक्षा निर्माण की ताकत बहुत ज्यादा थी और दूसरे विश्व युद्ध में भारत में बने हथियारों ने बड़ी भूमिका भी निभाई थी। उन्होंने कहा, ''हालांकि बाद के वर्षों में हमारी यह ताकत कमजोर होती चली गई, लेकिन यह दिखाता है कि भारत में क्षमता की कमी न तब थी, और न अब है। सूचना और प्रौद्योगिकी को भारत की बहुत बड़ी सार्मथ्य करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में इसका जितना ज्यादा इस्तेमाल होगा, देश की सुरक्षा उतनी ही मजबूत होगी।

गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में शाह ने की जनसभा

संवाददाता

प्रयागराज। गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय जनता वा अपना दल (एस) के प्रत्याशी जमुना प्रसाद सरोज के समर्थन में सोरांव में ही जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सपा, बसपा पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा प्रदेश में हुए चार चरणों में सपा बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर योगी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने अखिलेश पर तंज कसते हुए जब हमारे देश के वैज्ञानिकों ने कोरोना वैक्सीन को खोज निकाला तो मोदी जी ने उन्हें इस काम के लिए धन्यवाद दिया। अखिलेश बाबू ने कहा कि यह मोदी वैक्सीन है। मोदी वैक्सीन ने ही लोगों की जान बचाई है। बुआ- भतीजे को सिर्फ एक जाति विशेष के लोग दिखाई देते है जिसमें हम लोग शामिल नहीं है।उन्होंने कहा अनुप्रिया बहन ने एक बार नीट में आरक्षण की बात कही उसे मोदी जी ने लागू कर पिछड़ों को डॉक्टर बनाने का काम किया है। शाह ने कहा भाजपा की सरकार और मोदी जी के नेतृत्व में पिछड़ों का भला हो सकता है।

बजट खर्च की निगरानी के लिए समिति बनाएगा रक्षा मंत्रालय : राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि रक्षा मंत्रालय अपने बजट खर्च की निगरानी के लिए तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाएगा ताकि इसका समय पर पूरा उपयोग हो सके। उन्होंने बजट से संबंधित एक वेबिनार के दौरान अपने भाषण में कहा कि इस बजट में आयात को कम करने और सशस्त्र बलों को स्वदेशी तकनीक से आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को और बल दिया गया है। सिंह ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि रक्षा मंत्रालय ने वेबिनार के दौरान प्राप्त सभी मूल्यवान सुझावों को नोट कर लिया है और रक्षा क्षेत्र में आत्मानिर्भरता के उद्देश्य से बजट घोषणाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए एक कार्य योजना भी तैयार की है। उन्होंने कहा, रक्षा उद्योग के नेतृत्व में होने वाले अनुसंधान और विकास प्रयासों के लिये मैं 'मेक-1' के तहत वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कम से कम पांच परियोजनाओं को मंजूरी दूंगा। मेक-1 श्रेणी के तहत परियोजनाओं में सरकार की ओर से 90 प्रतिशत वित्तपोषण किया जाता है। इस राशि को योजना की प्रगति और रक्षा मंत्रालय व विक्रेता के बीच बनी सहमति की शर्तों के आधार पर चरणबद्ध तरीके से आवंटित किया जाता है। सिंह ने कहा, हम विशेष रूप से निजी उद्योग और स्टार्टअप के लिए निर्धारित बजट की निगरानी के उद्देश्य से तीनों सेवाओं के प्रतिनिधियों वाला एक निगरानी तंत्र तैयार करेंगे, ताकि इसका पूरी तरह से उपयोग किया जा सके। गौरतलब है कि ''मेक'' श्रेणी रक्षा खरीद की प्रक्रिया से संबंधित प्रावधान है जो सरकार के ''मेक इन इंडिया'' कार्यक्रम के तहत स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत बनाने से जुड़ा है।''मेक'' श्रेणी के तहत दो उप श्रेणियां ... ''मेक-1'' और ''मेक-2'' हैं।

मोदी ने 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था, अभी तक नहीं किया पूरा : राहुल गांधी

संवाददाता

अमेठी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने के वादा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अब तक पूरा नहीं कर सकी है। जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र के थौरी गांव में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी ने शुक्रवार को कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है और यही कारण है कि मौजूदा विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री अपनी जनसभाओं में युवाओं के रोजगार की बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा '' नरेंद्र मोदी जी ने किसानों की आय दोगुनी करने के बजाए तीन काले कानून ला दिए। जहां जहां कांग्रेस की सरकारें हैं वहां पर जनता से किये गये वादे पूरे किये गये। किसानों का कर्जा माफकिया गया। सरकारी उपक्रमो को निजी हाथों में बेचने का आरोप लगाते हुये कांग्रेस नेता ने कहा '' भाजपा सरकार बड़े उद्योग पतियों के हित में काम कर रही है। देश के सबसे बड़े अरबपति देश को नौकरी नहीं देते हैं। किसान और मिडिल क्लास के लोग रोजगार देते हैं।

नरेंद्र मोदी ने रोजगार देने वाले लोगों को खत्म कर दिया है। आने वाले दिनों में हिंदुस्तान के युवा को रोजगार नहीं मिल सकता है। बच्चों को चाहे जितना पढ़ा लो तुम्हें रोजगार नहीं मिलेगा क्योंकि रोजगार की रीढ़ की हड्डी कहे जाने वाले मिडिल क्लास के लोगों को खत्म कर दिया। उन्होंने जनता से अपील करते हुये कहा '' रोजगार पैदा करने का टिकट आपके हाथ में है। जब आप पोलिंग बूथ पर जाते हो और बटन दबाते हो वही रोजगार का टिकट है। आप लोग जाति धर्म को छोड़कर अपने भविष्य के लिए वोट डालो। किसानों छोटे व्यापारियों मिडिल क्लास बिजनेसमैन की मदद की जाए तभी रोजगार पैदा होगा। पेट्रो पदार्थों के बढ़ती कीमतों का जिक्र करते हुए कहा कि इंटरनेशनल माकेर्ट के रेट गिरने के बावजूद भी एनडीए की सरकार में डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ते ही जा रहे हैं। सपा, भाजपा और बसपा को धोखेबाज बताते हुये उन्होने कहा कि कांग्रेस इकलौती ऐसी पार्टी है जो जनता के हित में काम करती है। जब तक उत्तर प्रदेश रोजगार नहीं पैदा करेगा तब तक उत्तर प्रदेश विकास नहीं करेगा। चुनावी सभा में राहुल गांधी ने अपनी बहन एवं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी विजय पासी के लिए वोट मांगे। भाजपा ने इस क्षेत्र में राज्य मंत्री सुरेश पासी को टिकट दिया है जबकि समाजवादी पार्टी ने विमलेश सरोज को टिकट दिया है अमेठी में जगदीशपुर सुरक्षित सीट कांग्रेस का गढ़ रही है। पिछले चुनाव को छोड़ दिया जाए तो लगभग तीन दशक से जगदीशपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस का ही कब्जा रहा है फ्लिहाल इस बार कांग्रेस में धोबी परिवार का टिकट काटकर विजय पासी को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर रामसेवक धोबी नौ बार विधायक रह चुके हैं। उनकी मृत्यु के बाद राधेश्याम धोबी यहां से चुनाव जीते थे। 2017 के विधानसभा चुनाव में राधेश्याम चुनाव हार गए थे। इस बार कांग्रेस ने विजय पासी के ऊपर दांव खेला है।

सरकार बनते ही गरीबों को देंगे पांच साल तक मुफ्त राशन : अखिलेश

पांचवें चरण में भाजपा का यूपी से होगा सफाया : अखिलेश

संवाददाता

अयोध्या। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी सबको धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही 5 साल राशन फ्री मिलेगा और गरीबों के लिए 1 लीटर सरसों का तेल, 1 किलो ग्राम घी और 1 किलोग्राम मिल्क पाउडर भी दिया जाएगा। साथ ही प्रदेश में एंबुलेंस की संख्या दोगुनी करते हुए मेडिकल कॉलेज में गरीबों के इलाज की सुविधा भी निशुल्क कराएंगे। इस दौरान उन्होंने देश के गृहमंत्री अमित शाह के इंटर के बाद 12वीं वाले बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि बाबाजी लैपटॉप व स्मार्टफोन भी चलाना नहीं जानते। अखिलेश यादव ने शनिवार को जनपद की मिल्कीपुर और गोसाईगंज विधानसभा में सपा प्रत्याशियों के हक में जनसभा को संबोधित किया। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित इनायतनगर पांच नंबर चौराहे पर सपा प्रत्याशी का प्रचार करने पहुंचे अखिलेश ने कहा कि भाजपा के बाबा ने कहा था कि गर्मी निकाल देंगे, लेकिन आज जनसभा में उमड़ी भीड़ देखकर यह जाहिर हो गया है कि लोग बाबा की भाप निकाल देंगे।

बाबा जी की गोशाला में गाय भूखी मर रही है उन्हीं का पाप लगा है और उनकी कुर्सी छिनने वाली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा मैं 12 बजे सोकर उठता हूं। मेरे आवास और मुख्यमंत्री आवास की दीवार सटी हुई है। मैं लगातार उनकी निगरानी कर रहा हूं। उनके घर से धुआं उठता है। उन्होंने कहा कि कुछ पुताई करने वाले जा रहे थे। मैंने पूछा कहां जा रहे हो। तब उन्होंने बताया कि मैं मुख्यमंत्री आवास की पुताई करने जा रहा हूं। धुएं के काले धब्बे पोतने जा रहा हूं। अब बाबा जी जाने वाले हैं। उन्होंने 11 मार्च की तारीख का टिकट लखनऊ से गोरखपुर के लिए बुक करा लिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोर परिवार वादी कहे जाने की भी चुटकी ली और कहा कि बाबा जी जब जब लखनऊ जाएंगे तो उन्हें चाहिए की गुल्लू के लिए बिस्किट जरूर लेते जाएं। सपा प्रमुख ने किसानों के यूरिया एवं डीएपी खाद के संकट का हवाला देते हुए कहा कि मैं तो सोचता हूं कि बीजेपी वालों ने खाद की चोरी कहां से सीखी है हमें तो लगता है पारले जी के बिस्कुट से चोरी सीखी है क्योंकि महंगाई बढ़ने के साथ-साथ पारले का पैकेट भी छोटा हो गया है। मेरे द्वारा कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा किए जाने के बाद और राजस्थान और महाराष्ट्र की सरकारों ने भी पुरानी पेंशन बहाल किए जाने की योजना बनाना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पयागपुर विधानसभा क्षेत्र के पैतोरा चौराहा में शुक्रवार को एक चुनावीसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले चार चरणों में समाजवादी पार्टी (सपा) गठबंधन 200 सीटों के आंकड़े को पार कर चुकी है जबकि पांचवें चरण में उत्तर प्रदेश की सत्ता से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सफाया हो जाएगा। अखिलेश ने कहा कि विधानसभा चुनाव का चौथा चरण खत्म होने के साथ सपा गठबंधन ने डबल शतक लगा दिया है जबकि पांचवें चरण में भाजपा का सफया होने जा रहा है।

निश्चित हार की ओर अग्रसर भाजपा के नेताओं के चेहरे पर 12 बजे हुए हैं। प्रदेश को महंगाई और बेरोजगारी की तरफढकेलने वाली भाजपा की बिजली जनता ने गुल कर दी है।

उनका ट्रांसफर फुंक गया है। भाजपा के खिलाफ जनता के आक्रोश का 440 वोल्ट का करंट फैला हुआ है। डबल इंजन की सरकार ने धोखा दिया। सत्ता में आने पर भाजपा ने महंगाई और बेरोजगारी बढ़ा दी। खाद और डीएपी न मिलने से किसान परेशान हो गये।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि किसान तीन काले कानून की वापसी के लिये सर्दी गर्मी बरसात की परवाह किये बगैर किसान एक साल तक धरने पर बैठे रहे मगर सरकार ने परवाह नहीं की मगर अंतोगत्वा किसान आंदोलन काम आया और सरकार को कृषि कानून वापस लेने को मजबूर होना पड़ा। अगर तीन काले कानून आ जाते तो किसान अपनी जमीन पर ही मजदूर बन कर काम करता, वह अपनी जमीन नहीं बेच सकता था। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि सरकार में आने पर हवाई चप्पल वाले हवाई जहाज की यात्रा करेंगे मगर पेट्रोल डीजल की आसमान छूती कीमतों से गरीब किसान नौजवान ट्रैक्टर,बाईक और अन्य वाहनो से भी नहीं चल पा रहा है। जुमलेबाज सरकार का झूठ जनता ने पकड़ लिया है और यही कारण है कि 10 मार्च को बाबा मुख्यमंत्री मठ वापस जाने वाले है। उन्होंने 11 तारीख का टिकट भी बुक करा लिया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा सरकार आने पर गोशालाओं की हालत सुधारी जाएगी और किसानो की फसल बरबाद कर रहे अन्ना पशुओं की समस्या से छुटकारा दिलाया जायेगा। सपा गठबंधन सरकार हर किसी को हर माह 300 यूनिट फ्री बिजली देगी जबकि किसानो को सिंचाई के लिये बिजली का भुगतान नहीं करना होगा।

रूस के कब्जे के बाद न्यूक्लियर प्लांट में 100 गुणा बढ़ा रेडिएशन, खत्म हो सकती है बड़ी आबादी!

रूस। नाटो के मुद्दे पर यूक्रेन और रूस के बीच छिड़ी जंग में डराने वाली खबर सामने आई है। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूसी कब्जे के बाद चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट में रेडिएशन का लेवल 100 गुणा तक ज्यादा बढ़ गया है। जिससे यूक्रेन, बेलारूस, रूस, पोलैंड समेत आसपास के देशों की आबादी को बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

100 गुणा बढ़ गया रेडिएशन का लेवल

यूक्रेन की न्यूक्लियर एनर्जी रेग्युलेटरी एजेंसी ने दावा किया कि चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट में रेडिएशन का सामान्य लेवल 3,150 होता है। लेकिन रूस की सेना के कब्जे के बाद इस प्लांट में रेडिएशन का लेवल बढ़कर 92,700 हो गया है। एजेंसी ने कहा कि रेडिएशन का बढ़ता लेवल यूक्रेन समेत आसपास के पड़ोसी देशों की आबादी के लिए बड़ा खतरा है और इसका जिम्मेदार केवल रूस है।

वहीं, रूस के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को दावा किया कि यूक्रेन में स्थित चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और स्टेशन पर विकिरण स्थिति की निगरानी की जा रही है। इससे एक दिन पहले संयंत्र पर तैनात यूक्रेनी सैनिकों के साथ भीषण संघर्ष के बाद रूसी सैनिकों ने इसपर कब्जा कर लिया था। इस संयंत्र में 1986 में हुई दुनिया की सबसे बदतर परमाणु त्रासदी के बाद से ही परमाणु विकिरण लीक हो रहा है।

समाचार एजेंसी टास ने रूसी सरक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेंको के हवाले से कहा, 24 फरवरी को, रूस के अर्धसैनिकों ने चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आसपास के क्षेत्र को नियंत्रण में कर लिया। इस संबंध में एनपीपी की सुरक्षा में तैनात यूक्रेन की एक बटालियन के साथ समझौता हुआ था ताकि परमाणु रिएक्टरों और परमाणु आश्रय स्थलों की संयुक्त रूस से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कोनाशेंको ने कहा कि एनपीपी के कर्मचारी सामान्य रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं और स्टेशन पर विकिरण स्थिति की निगरानी की जा रही है। चेर्नोबिल संयंत्र में 1986 में एक विस्फोट हुआ था, जिसमें 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इसे इतिहास की सबसे बदतर परमाणु त्रासदी कहा जाता है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इसके बाद के वर्षों में, विकिरण के लक्षणों से अनगिनत अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण तेज होने की आशंका से भयभीत एक लड़की ने कहा, मैं मरना नहीं चाहती

यूक्रेन। रूसी बलों के यूक्रेन पर हमले के दूसरे दिन तड़के, यूरी ज्याहानोव अपनी मां के चीखने-चिल्लाने से जाग गया और उसने खुद को धूल से ढंका पाया। रूसी बलों ने राजधानी कीव के बाहरी इलाके में उनकी आवासीय इमारत पर गोलाबारी की। वह और अन्य नागरिक अपनी जान जोखिम में होने से डरे सहमे थे, और कई लोगों ने भागना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को तड़के कीव में हवाई हमले के सायरन बजने के बीच ज्याहानोव और उसके परिवार ने भी वहां से जाने की तैयारी कर ली है। उन्होंने क्षतिग्रस्त इमारत की ओर इशारा करते हुए रूस से कहा, ''तुम यह क्या कर रहे हो ? यह क्या है ?

मैं मरना नहीं चाहती

उन्होंने कहा, ''यदि आप सैन्य कर्मियों पर हमला करना चाहते हैं, तो सैन्य कर्मियों पर हमला करें। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं। रूस ने कहा है कि वह शहरों को निशाना नहीं बना रहा है, लेकिन वह शहरों के बहुत करीब पहुंच गया है। बख्तरबंद गाड़ियां शहर की सड़कों पर देखी गईं। निवासी बेचैनी से अपार्टमेंट के, इमारतों के दरवाजों पर खड़े होकर इस नजारे को देख रहे थे। मारियुपोल शहर में, व्लादा नाम की एक लड़की युद्ध को रोके जाने की प्रार्थना करती नजर आई। व्लादा ने कहा, ''मैं मरना नहीं चाहती। मैं चाहती हूं कि यह सब जल्द से जल्द खत्म हो।

'हां, माँ चली गई

होर्लिवका शहर में एक घर के बाहर कंबल से ढका एक शव जमीन पर पड़ा हुआ था। जिस व्यक्ति का यह शव था वह गोलाबारी की चपेट में आ गया था। इस शव के निकट खड़ा एक व्यक्ति फोन पर बात कर रहा था। वह फोन पर कह रहा था, ''हां, माँ चली गई। कुछ लोग यूक्रेन छोड़ने से हिचकिचा रहे थे और वे रेलवे प्लेटफॉर्म पर खड़े थे। गौरतलब है कि यूक्रेन के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा एवं प्रतिबंधों को नजरंदाज किया और अन्य देशों को चेतावनी दी कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के ''ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे।

पोप ने रूसी दूतावास जाकर यूक्रेन पर हमले के प्रति चिंता जाहिर की

रोम। पोप फ्रांसिस ने शुक्रवार को रूसी दूतावास में जाकर युद्ध के प्रति अपनी चिंता जाहिर की जिसे उनकी ओर से किया गया एक असाधारण संकेत माना जा रहा है। इसके साथ ही, वेटिकन ने आज यह घोषणा की, कि पोप के घुटने में समस्या होने के कारण उन्होंने आगामी सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

आमतौर पर राजदूत और राष्ट्राध्यक्ष वेटिकन में पोप से मिलने जाते जाते हैं तथा राजनयिक प्रोटोकॉल के तहत वेटिकन के विदेश मंत्री, राजदूत को लेकर पोप के पास जाते हैं। वेटिकन के राष्ट्राध्यक्ष के तौर पर फ्रांसिस का रूसी दूतावास तक जाना, यूक्रेन पर मास्को के हमले के प्रति उनके आक्रोश और युद्ध को समाप्त करने के लिए उनकी निजी अपील को दर्शाता है।

वेटिकन के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें पोप के इस कदम के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। वेटिकन के प्रवक्ता मत्तेओ ब्रूनी ने बताया कि पोप, युद्ध के प्रति अपनी चिंता जाहिर करने के उद्देश्य से रूसी दूतावास गए थे और वह वहां आधे घंटे तक रुके। फ्रांसिस ने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत का रास्ता अपनाने को कहा है।

इसके अलावा उन्होंने श्रद्धालुओं से अगले बुधवार को उपवास करने और यूक्रेन में शांति के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया है। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर रूस की आलोचना नहीं की है क्योंकि इससे वह संभवतः रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च को नाराज नहीं करना चाहते।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बंदूकधारी के हमले में 2 पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबादः पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को हुई गोलीबारी की घटना में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी जबकि एक अन्य घायल हो गया। क्वेटा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी असद नासिर ने शिन्हुआ को बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में गश्त कर रहे पुलिस अधिकारियों के एक समूह पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि हमले के बाद बंदूकधारी भाग गए।

उन्होंने कहा कि घायल पुलिसकर्मी को क्वेटा के एक सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच के लिए सुरक्षा बलों की टुकड़ी मौके पर पहुंच गई और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। अभी तक किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

महाराष्ट्र में सामने आए कोविड–19 के 973 नए मामले, 12 मरीजों की मौत

मुम्बई। महाराष्ट्र में शुक्रवार को कोविड-19 के 973 नए मामले सामने आए और 12 मरीजों की मौत हो गई। संक्रमण के नए मामलों में ओमीक्रोन के 62 मामले भी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या 78,63,623 और मृतक संख्या 1,43,687 हो गई है। राज्य में बृहस्पतिवार को 1182 मामले सामने आए थे और 19 लोगों की मौत हुई थी।

स्वास्थ्य विभाग ने एक बुलेटिन के अनुसार ओमीक्रोन संक्रमण के जो 62 नए मामले आए हैं उनमें 60 पुणे शहर, और दो पुणे के ग्रामीण क्षेत्र से हैं। राज्य में अबतक ओमीक्रोन के 4629 मामले सामने आ चुके हैं जिनमें 4456 स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में फिलहाल 8668 मरीज उपचाराधीन हैं जो 25 दिसंबर, 2021 के बाद सबसे कम आंकड़ा है। पिछले 24 घंटे में कम से कम 2521 मरीज संक्रमण मुक्त हुए और अबतक 77,07,254 मरीज ठीक हो चुके हैं।

इंडोनेशिया में भूकंप से 7 लोगों की मौत, 85 घायल

जकार्ताः इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत वेस्ट सुमात्रा में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसकी चपेट में आकर सात लोगों की मौत हो गई और 85 से अधिक लोग घायल हो गए। मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर पहले 6.2 मापी गई और इसे संशोधित कर 6.1 किया गया। एजेंसी की प्रमुख द्विकोरिता कर्णावती ने बताया कि भूकंप से सात लोगों की मौत हो गई और 85 से अधिक लोग घायल हो गए। भूकंप से 10 हजार से अधिक इमारतें और मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन और राहत एजेंसी के कार्यवाहक प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि पसमान बारात जिले में तीन और पसमान जिले में सात अन्य लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आपदा से सबसे अधिक प्रभावित दोनों जिलों में 85 घायल है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा के कारण करीब पांच हजार लोग 35 केन्द्रों में आश्रय लेने के लिए मजबूर हैं। प्रवक्ता ने बताया कि लापता व्यक्तियों और प्रभावित लोगों के लिए खोज और बचाव अभियान अब भी जारी है। अभियान में पुलिसकर्मियों, आपदा एजेंसी कर्मियों, सैनिकों, बचाव दल, स्वयंसेवकों और निवासियों का एक संयुक्त कार्यबल शामिल है।

उन्होंने एक बयान में कहा, ''संयुक्त कार्यबल अब भी खोज, बचाव और निकासी के साथ-साथ भूकंप प्रभावित लोगों की सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। प्रवक्ता के अनुसार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सुहार्यंतो ने भूकंप के तुरंत बाद आपात राहत की तैयारी के आदेश दिए हैं।

वेस्ट सुमात्रा प्रांत के आपदा प्रबंधन और राहत एजेंसी की अभियान इकाई के प्रमुख जुमैदी ने शिन्हुआ को बताया कि भूकंप के झटकों से पसामान जिले और पसामान बारात जिले में 10 हजार से अधिक मकान और इमारतें नष्ट हो गई है। एजेंसी ने बताया कि सुबह 0839 बजे आये भूकंप का केंद्र पसामान बारात जिले से 17 किमी उत्तर पूर्व में 10 किमी की गहराई में स्थित था।

रूस के कब्जे के बाद न्यूक्लियर प्लांट में 100 गुणा बढ़ा रेडिएशन, खत्म हो सकती है बड़ी आबादी!

यूक्रेन। नाटो के मुद्दे पर यूक्रेन और रूस के बीच छिड़ी जंग में डराने वाली खबर सामने आई है। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूसी कब्जे के बाद चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट में रेडिएशन का लेवल 100 गुणा तक ज्यादा बढ़ गया है। जिससे यूक्रेन, बेलारूस, रूस, पोलैंड समेत आसपास के देशों की आबादी को बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

100 गुणा बढ़ गया रेडिएशन का लेवल

यूक्रेन की न्यूक्लियर एनर्जी रेग्युलेटरी एजेंसी ने दावा किया कि चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट में रेडिएशन का सामान्य लेवल 3,150 होता है। लेकिन रूस की सेना के कब्जे के बाद इस प्लांट में रेडिएशन का लेवल बढ़कर 92,700 हो गया है। एजेंसी ने कहा कि रेडिएशन का बढ़ता लेवल यूक्रेन समेत आसपास के पड़ोसी देशों की आबादी के लिए बड़ा खतरा है और इसका जिम्मेदार केवल रूस है।

वहीं, रूस के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को दावा किया कि यूक्रेन में स्थित चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और स्टेशन पर विकिरण स्थिति की निगरानी की जा रही है।

नेपाली मीडिया में चर्चा :ओली पार कराएंगे एमसीसी करार की नैया

काठमांडो। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ने अमेरिकी संस्था मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) से आर्थिक सहायता लेने के लिए हुए करार का संसद में समर्थन करने का एलान किया है। इस करार को संसदीय मंजूरी दिलाने की कोशिश में जुटे नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को राहत विपक्षी दल नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के रुख से मिली है। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि सभा में सिर्फ 13 सदस्य हैं।

लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी सत्ताधारी गठबंधन में शामिल पांच दलों में एक है। गठबंधन में शामिल दो कम्युनिस्ट पार्टियां अभी भी इस प्रस्ताव के खिलाफ बनी हुई हैं। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओइस्ट सेंटर) और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (यूनिफाइड सोशलिस्ट) ने दोहराया है कि वे सदन में प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करेंगी। ऐसी ही रुख जनता समाजवादी दल का भी है।

ओली ने अमेरिकी दूतावास को दिया आश्वासन

इस बीच नेपाल स्थित अमेरिकी दूतावास की सक्रियता से जुड़ी खबरें यहां काफी चर्चित हैं। बुधवार को अमेरिकी राजदूत ने विपक्षी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से बातचीत की। उनसे मिलने के बाद ओली ने प्रधानमंत्री देउबा से मुलाकात की। बताया जाता है कि अमेरिकी दूतावास की गतिविधियों से नेपाली राजनीति के एक हलके में एमसीसी करार को लेकर विरोध और बढ़ रहा है। जबकि यूएमएल के सूत्रों के मुताबिक ओली ने अमेरिकी दूतावास को यह आश्वासन दे दिया है कि उनकी पार्टी एमसीसी करार का अनुमोदन कराने में सरकार का सहयोग करेगी।

मुद्दा एमसीसी से 50 करोड़ डॉलर की आर्थिक सहायता लेने का है। इसके लिए 2017 में एक समझौता हुआ था। लेकिन उस पर अमल आज तक नहीं हो सका है, क्योंकि इसके लिए जरूरी संसदीय अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। अब एमसीसी ने ये प्रक्रिया पूरी करने के लिए 28 फरवरी की समयसीमा तय कर दी है।

पोलैंड बॉर्डर तक पहुंचने के लिए पैदल ही निकल पड़े 40 भारतीय छात्र

चीन । रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में भारतीय छात्र भी काफी डरे हुए हैं और जल्द ही वहां से निकलना चाहते हैं। इसी जद्दोजेहद के बीच भारतीय छात्रों का एक दल पैदल ही यूक्रेन पोलैंड बॉर्डर तक पहुंचने के लिए निकल पड़ा है। कॉलेज बस ने इन छात्रों को बॉर्डर से करीब 8 किलोमीटर दूर ही उतार दिया, जिसके बाद ये छात्रों को बॉर्डर तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ा। न्यूज एजेंसी ,हृढ्ढ ने इस बात की जानकारी दी है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, डैनली हेलित्सकी मेडिकल यूनिवर्सिटी के करीब 40 मेडिकल छात्रों को कॉलेज बस ने बॉर्डर से करीब 8 किमी दूर छोड़ दिया था और बॉर्डर तक का सफर इन्हें पैदल करना पड़ा। पोलैंड की सीमा से करीब 70 किमी दूर, लीव के मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट यूक्रेन के पड़ोसी देश से निकाले जाने का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि रूस के हमले बाद यूक्रेन के हवाईक्षेत्र को बंद कर दिया गया है।

पोलैंड-यूक्रेन बॉर्डर तक की यात्रा करने वाले भारतीय स्टूडेंट्स में से एक के ओर से शेयर किए गए वीडियो में इन्हें खाली सड़क के किनारे चलते हुए देखा जा सकता है। यूक्रेन रोमानिया बॉर्डर जाते वक्त इन तमाम छात्रों के चेहरे पर खुशी नज़र आई। छात्रों ने भारत का झंडा हाथ में लिया हुआ था। रूस के हमले के बाद यूक्रेन में हज़ारों भारतीय छात्र और नागरिक फंस गए हैं, जिन्हें वहां से निकालने की कोशिशें की जा रही हैं।

यूरोप में मौजूद रूसी राष्ट्रपति पुतिन की संपत्ति होगी जब्त, EU की बैठक में हुआ फैसला

इंटरनेशनल डेस्कः यूरोपीय संघ (ईयू)ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की संपत्तियों को जब्त (फ्रीज) करने तथा अन्य प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। लातविया के विदेश मंत्री ने यह जानकारी दी। पुतिन और लावरोव की संपत्तियों को जब्त करने के निर्णय का अर्थ है कि पश्चिमी देश यूक्रेन पर रूस के हमले और यूरोप में एक बड़े युद्ध को रोकने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाने की ओर बढ़ रहे हैं।

लातविया के विदेश मंत्री एड्गर्स रिनकेविक्स ने शुक्रवार को ट्वीट कर बताया कि ईयू के विदेश मंत्रियों ने प्रतिबंध लगाने के दूसरे पैकेज को मंजूरी दी है और जिन संपत्तियों को फ्रीज किया गया उनमें रूस के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री की संपत्ति शामिल है। उन्होंने कहा कि ईयू प्रतिबंधों के अन्य पैकेज की भी तैयारी कर रहा है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की पुतिन से बात

चीन । यूक्रेन पर रूस के हमल के बाद दुनियाभर के देशों के प्रमुख नेताओं की प्रतिक्रिया आ रही है। दुनियाभर के लोग रूस से शांति की अपील कर रहे हैं और युद्ध रोकने के लिए दूसरे रास्तों को अपनाने के लिए राष्ट्रपति पुतिन से आग्रह कर रहे हैं। यूक्रेन पर रूसी सेना के हमले के बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्लादिमीर पुतिन से बात की है। जिनपिंग ने पुतिन से यूक्रेन से बातचीत करने को कहा है। चीन की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है। चीन की सरकारी मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन से यूक्रेन से बातचीत से हल निकालने की अपील की है।

उधर, रूस के सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत का न्योता भेजा है। रूसी मीडिया ने बताया कि जेलेंस्की ने पुतिन से बातचीत की पेशकश की है। इससे पहले रूस के विदेश मंत्री ने कहा कि यूक्रेन सरेंडर करे तभी आगे बातचीत संभव है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना सरेंडर करे तो रूस बातचीत के लिए तैयार है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन पर रूस के हमले से पैदा हुई स्थिति के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। इस दौरान पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेन से संबंधित हालिया घटनाक्रम से अवगत कराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान दोहराया कि रूस और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) समूह के बीच मतभेदों को सिर्फ ''ईमानदार और गंभीर वार्ता से ही सुलझाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने तत्काल हिंसा रोकने की अपील की तथा सभी पक्षों से कूटनीतिक बातचीत और संवाद की राह पर लौटने के ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान पुतिन को यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों, खासकर छात्रों की सुरक्षा से जुड़ी भारत की चिंताओं से भी अवगत कराया।

रूस के विदेश मंत्री का बड़ा बयान
यूक्रेन करे सरेंडर, तभी बातचीत संभव

रूस। रूस के विदेश मंत्री ने यूक्रेन को लेकर बड़ा बयान दिया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन की सेना हथियार डाले तो बातचीत संभव है। उन्होंने कहा कि पहले यूक्रेन को सरेंडर करना होगा तभी आगे की बातचीत संभव है। बता दें कि रूस यूक्रेन के नाटो में शामिल होने का विरोध कर रहा है। उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हम पीछे नहीं हटेंगे। हम रूस के आगे झुकेंगे नहीं।

यूक्रेन के शहरों और सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले करने और तीन तरफ से सैनिकों और टैंकों को भेजने के बाद शुक्रवार को रूसी बल राजधानी कीव के बाहरी इलाकों तक पहुंच गये। राजधानी कीव में धमाकों की कई आवाजें सुनी गयीं। रूसी सैनिकों ने दूसरे दिन भी हमले जारी रखे हैं। इस बीच पश्चिमी नेताओं ने एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने एक ऐसे हमले को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की गुहार लगाई जो उनकी लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को गिरा सकता है, बड़े पैमाने पर इसमें लोग हताहत हो सकते है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंच सकता है।

यूक्रेन की सेना का कहना है कि रूसी बलों को कीव से लगभग पांच किलोमीटर (तीन मील) की दूरी पर देखा गया है, वे हमले के लिए यूक्रेन की राजधानी की ओर बढ़ रहे हैं।

पुलिस ने लोगों से शहर में एक मेट्रो स्टेशन से बाहर नहीं निकलने के लिए कहा क्योंकि इलाके में गोलियां चल रही हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा कि कीव की '' घेराबंदी हो सकती है ।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा अपने स्वयं का शासन स्थापित करने का यह एक 'निर्लज्ज प्रयास है। यूक्रेन के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा करते हुए पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा एवं प्रतिबंधों को नजरंदाज किया और अन्य देशों को चेतावनी दी कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के ''ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने वैश्विक नेताओं से पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रूस पर, लगाए गए प्रतिबंधों से भी अधिक गंभीर प्रतिबंध लगाने और अपने देश के लिए रक्षा सहायता की अपील की।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को स्वदेश लाएगी एअर इंडिया, बुखारेस्ट के लिए आज रात भेजी जाएंगी दो उड़ाने

रूस। एअर इंडिया रूस के आक्रमण के चलते यूक्रेन में फंसे भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए अपनी दो उड़ानें शुक्रवार रात रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट भेजेगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जो भी भारतीय नागरिक सड़क मार्ग से यूक्रेन-रोमानिया सीमा पर पहुंच गये हैं, उन्हें भारत सरकार के अधिकारी बुखारेस्ट ले जायेंगे ताकि उन्हें एअर इंडिया की इन दो उड़ानों के जरिए स्वदेश लाया जा सके।

रात के करीब नौ बजे रवाना होगी एअर इंडिया विमान

बृहस्पतिवार को यूक्रेन के अधिकारियों ने यात्री विमानों के परिचालन के लिए अपने देश का वायु क्षेत्र बंद कर दिया था, इसलिए भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए ये उड़ानें बुखारेस्ट से परिचालित की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि एअर इंडिया की एक उड़ान शुक्रवार को दिल्ली से रात के करीब नौ बजे रवाना होगी, जबकि दूसरी उड़ान रात करीब 10 बजकर 25 मिनट पर रवाना होगी।अधिकारियों ने बताया कि एअर इंडिया की दोनों ही उड़ानें शनिवार को बुखारेस्ट से भारत रवाना होंगी। हालांकि एअर इंडिया ने इस संबंध में टिप्पणी करने के लिए पीटीआई-भाषा के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया।

यूक्रेन में फंसे हैं 20,000 भारतीय

यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि वह रोमानिया तथा हंगरी से आने वाले मार्गों को निर्धारित करने का काम कर रहा है। दूतावास ने कहा, ''वर्तमान में, अधिकारियों की टीम उझोरोद के पास चोप-जाहोनी हंगरी सीमा, चेर्नीवत्सी के पास पोरब्ने-सीरेत रोमानियाई सीमा चौकियों पर पहुंच रही है। '' दूतावास ने कहा कि इन सीमा जांच चौकियों के करीब रह रहे भारतीय नागरिकों, विशेष कर छात्रों को विदेश मंत्रालय के दलों के साथ समन्वय कर व्यवस्थित तरीके से रवाना होने की सलाह दी जाती है। अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन में फिलहाल करीब 20,000 भारतीय फंसे हुए हैं जिनमें ज्यादातर विद्यार्थी हैं।

दूतावास ने भारतीयों को अपना पासपोर्ट, नकदी (प्राथमिक रूप से डॉलर में), अन्य आवश्यक वस्तुएं और कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र सीमा जांच चौकियों पर अपने पास रखने की सलाह दी है।दूतावास ने कहा है, ''भारतीय ध्वज का (कागज पर) प्रिंट निकाल लें और यात्रा के दौरान वाहनों तथा बसों पर उन्हें चिपका दें। '' यूक्रेन की राजधानी कीव और रोमानिया की सीमा के बीच करीब 600 किलोमीटर का फासला है और सड़क मार्ग से यह दूरी तय करने में साढ़े आठ से 11 घंटे लगते हैं। रोमानियाई सीमा जांच चौकी से बुखारेस्ट करीब 500 किलोमीटर की दूरी पर है तथा सड़क मार्ग से उसे तय करने में करीब सात से नौ घंटे लगते हैं।

दिल्ली में पालिसी मेकिंग में डेटा और एविडेंस के उपयोग को बेहतर करने के लिए DDC ने x दक्षिण एशिया के साथ की साझेदारी

प्रफुल्ल राय ''शिवालिक''

नई दिल्ली। दिल्ली के सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और केजरीवाल सरकार की महत्वाकांक्षी विज़न दिल्ली@2047 को पूरा करने के लिए दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कोमिस्सिओं (डीडीसी) ने अब्दुल लतीफ जमील पॉवर्टी एक्शन लैब दक्षिण एशिया के साथ साझेदारी की है ताकि दिल्ली में एविडेंस बेस्ड पालिसी मेकिंग को मजबूत किया जा सके।

इस बाबत दिल्ली के माननीय उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और डीडीसी वाईस-चेयरपर्सन जैस्मीन शाह की मौजूदगी में डीडीसी दिल्ली और जे-पाल दक्षिण एशिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया7 इस पार्टनरशिप का उद्देश्य मैक्सिमम इम्पेक्ट के लिए प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में नीतिगत समाधानों को डिजाइन, परीक्षण और स्केल अप करने के लिए हाई क्वालिटी एडमिनिस्ट्रेटिव डेटा का बेहतर ढंग से लाभ उठाना है।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कन्वेंशनल के साथ-साथ नए जमाने के बाजारों में रोजगार पैदा करना दिल्ली सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है ताकि 2047 तक दिल्ली की अर्थव्यवस्था को सिंगापुर की अर्थव्यवस्था के बराबर पहुँचाने का विज़न पूरा हो सके7 उन्होंने कहा कि छ्-क्क दक्षिण एशिया के साथ साझेदारी रोजगार के परिणामों में सुधार के साथ-साथ वर्क-फ़ोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में सक्षम होगी।

डीडीसी दिल्ली के वाईस चेयरपर्सन जैस्मीन शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली वर्ल्ड की बेस्ट प्रैक्टिसेज को एक्स्प्लोर करने और उन्हें अपनी नीतियों में शामिल करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ पूरे विश्व में इनोवेशन के केंद्र के रूप में उभर रहा है। इस दिशा में छ्-क्क दक्षिण एशिया के साथ सहयोग दिल्ली में लोगों के जीवन में बेहतर और स्थायी सुधार लाने संबंधित नीतियों को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी का फ्रेमवर्क काफी व्यापक है जो सरकार की बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार काम करेगा।

इस पार्टनरशिप में पहले कदम के रूप में, J-PAL दिल्ली सरकार

- दिल्ली के माननीय उपमुख्यमंत्री और डीडीसी वाईस-चेयरपर्सन की मौजूदगी में डीडीसी दिल्ली और जे-पाल दक्षिण एशिया के बीच किया गया समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- कन्वेंशनल के साथ-साथ नए जमाने के बाजारों में रोजगार पैदा करना दिल्ली सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता ताकि 2047 तक दिल्ली की अर्थव्यवस्था को सिंगापुर की अर्थव्यवस्थाके बराबर पहुँचाने का विज़न हो सके पूरा- उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया
- वर्ल्ड की बेस्ट प्रैक्टिसेज को एक्स्प्लोर करने और उन्हें अपनी नीतियों में शामिल करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ पूरे विश्व में इनोवेशन के केंद्र के रूप में उभर रही दिल्ली, यह साझेदारी हमारे प्रयासों में और इजाफा करेगी- जैस्मीन शाह, वाईस चेयरपर्सन(दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन)
- पॉलिसी मेकिंग में साइंटिफिक एविडेंस और डेटा को अप्लाई करने की प्रतिबद्धता दिल्ली सरकार को बनाती है हमारा स्वाभाविक पार्टनर: शोभिनी मुखर्जी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर
- पार्टनरशिप की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रोजगार सृजन, रोजगार बाजार पोर्टल को बेहतर करन, एसएमई को बढ़ावा देना, बच्चों के प्रतिरक्षण दर में वृद्धि और स्कूल ड्रापआउट कम करना

सरकार के प्रमुख जॉब पोर्टल, रोजगार बाजार द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को ओवरहाल करके दिल्ली में युवाओं के लिए रोजगार के लिए बेहतर तरीकों का पता लगाएगी7 साथ ही ये जॉब सीकर्स को उपयुक्त नौकरियों के साथ मिलाने और पोर्टल पर करियर काउंसलिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए बेहतर समाधान भी ढूंढेगी। यह साझेदारी दिल्ली की इकॉनोमिक पॉलिसी के लिए डेटा-बेस्ड इनसाइट में भी योगदान देगी जो विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों जैसे क्षेत्रों में, छ्-क्क के दुनिया के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के वैश्विक नेटवर्क द्वारा किए गए शोध के निष्कर्षों पर आधारित होगा।

छ्-क्क दक्षिण एशिया, डीडीसी दिल्ली के मार्गदर्शन में, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के साथ मिलकर बच्चों के टीकाकरण दर को बढ़ाने और महामारी के बाद स्कूल ड्रापआउट को कम करने के तरीकों का मूल्यांकन करेगी। इसके अलावा ये संस्थान दिल्ली सरकार के विभिन्न विभाग के अधिकारियों को सर्वे डिज़ाइन,कलेक्शन और असेसमेंट के लिए ट्रेनिंग भी देगी जिससे विभागों में एविडेंस बेस्ड पॉलिसी मेकिंग के कल्चर को बढ़ावा मिलेगा7

इस मौके पर जे-पाल साउथ एशिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर , शोभिनी मुखर्जी ने कहा- ÷पॉलिसी मेकिंग में साइंटिफिक एविडेंस और डेटा को अप्लाई करने की दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता उन्हें हमारा स्वाभाविक पार्टनर बनाती है।

जे-पाल के ग्लोबल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर इकबाल धालीवाल ने कहा- ÷सरकारों द्वारा एकत्र किए गए एडमिनिस्ट्रेटिव डेटा की बड़ी मात्रा का विश्लेषण उन्हें अपने नागरिकों की प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझने और अपने संसाधनों का निवेश करने में मदद कर सकता है। इस दिशा में विकास को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित पॉलिसी मेकर और रिसर्चर के बीच पार्टनरशिप क्रिएटिव, एथिकल और सुरक्षित तरीके से ऐसा करने के प्रयासों में काफी तेजी ला सकती है। उल्लेखनीय है कि यह साझेदारी J-PAL दक्षिण एशिया में IDEA लैब द्वारा शुरू की गई है, जो J-PAL के इनोवेशन इन डेटा एंड एक्सपेरिमेंट्स फॉर एक्शन इनिशिएटिव का हिस्सा है।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट : शक्ति भवन से जल्द कई मंत्रालयों को किया जाएगा शिफ्ट

नई दिल्ली। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत सांसदों के लिए कक्ष का निर्माण करने वास्ते परिवहन भवन और श्रम शक्ति भवन स्थित कार्यालयों को जून महीने के अंत तक लुटियंस दिल्ली के कस्तूरबा गांधी (केजी) मार्ग पर स्थित एक नए पते पर स्थानांतरित करने को कहा गया है। उपरोक्त दोनों भवनों में वर्तमान में पर्यटन मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय सहित कुछ अन्य मंत्रालयों व विभागों के कार्यालय मौजूद हैं।

सरकार की योजना परिवहन भवन और श्रम शक्ति भवन को तोड़कर सांसदों के लिए कक्ष बनाने की की है। इसके साथ ही एक सुरंग भी बनाए जाने की योजना है कि ताकि सांसद अपने कक्षों से नये संसद भवन की इमारत में आवाजाही कर सकें। केंद्रीय आवासन और शहरी विकास मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक संवाद में कहा गया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के हिस्से के रूप में इन दोनों भवनों से संचालित हो रहे विभिन्न मंत्रालयों व उनसे संबंद्ध कार्यालयों को केजी मार्ग पर बन रहे जनरल पूल अकोमोडेशन-2 में स्थानांतरित किया जाएगा।

जनरल पूल अकोमोडेशन-2 में चल रहा निर्माण कार्य 2022 के मई महीने तक पूरा कर लिया जाएगा। परिवहन भवन और श्रम शक्ति भवन से संचालित हो रहे सभी कार्यालयों को जून 2022 के अंत तक जनरल पूल अकोमोडेशन-2 में स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता है।

आवासन और शहरी विकास मंत्रालय ने दोनों भवनों में मौजूद मंत्रालयों को समयसीमा का ध्यान रखते हुए नए पते पर स्थानांतरित होने की तैयारी करने की योजना बनाने को कहा है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत संसद भवन की त्रिकोणीय इमारत, एक साझा केंद्रीय सचिवालय और राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक तीन किलोमीटर लंबे राजपथ के पुनर्विकास की परिकल्पना की गई है।

13 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये देगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले 13 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि देगी। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता में ग्रुप ऑफ़ मिनिस्टर्स की बैठक में 13 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को एक-एक करोड़ रूपये की सम्मान राशि देने की मंजूरी दी गई।

इस मौके पर सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के कोरोना योद्धाओं ने महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना मानवता और समाज की रक्षा करने का काम किया और अपने जीवन का बलिदान दिया। उन्होंने

कहा कि दिल्ली सरकार इनके जज़्बे को सलाम करती है। बेशक इस राशि से दिवंगत कोरोना योद्धाओं के परिवार के नुकसान की पूर्ति तो नहीं की जा सकती लेकिन उनके परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने का जरिया ज़रूर मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी पूरी मानवता के लिए एक भयानक संकट थी।

इस संकट ने सभी के मन में डर पैदा कर दिया था लेकिन हमारे कोरोना योद्धाओं ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए दिल्ली को इस संकट से उबारने का काम किया। डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, सहायक स्टाफ, सफाई-कर्मचारियों सहित हजारों कोरोना योद्धाओं ने दिन-रात काम करते हुए इस महामारी से लड़ने का काम किया और कई कोरोना योद्धा लोगों की सेवा करते हुए शहीद हो गए। सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार हमेशा कोरोना योद्धाओं के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। दिल्ली सरकार की यह योजना कोरोना योद्धाओं के परिवार को यह आत्मविश्वास देती है कि सरकार और समाज हमेशा उनके साथ है।

काबू में कोरोना : राज्यों को covid पाबंदियों में ढील देने को कहा...

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों में आ रही कमी के मद्देनजर शुक्रवार को राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से सामाजिक, खेल, मनोरंजन, अकादमिक और धार्मिक आयोजनों से जुड़े कार्यक्रमों के लिए ष्थ1द्बस्र-19 संबंधित प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार करने को कहा। मार्च महीने के लिए ष्थ1द्बस्र-19 दिशानिर्देश जारी करते हुए केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने यह सुझाव भी दिया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा हाल में दिए गए परामर्श के अनुरुप आर्थिक गतिविधियों को शुरु करने के दौरान संक्रमण के खतरे का भी आंकलन करते रहना होगा।

गृह मंत्रालय की एडवाइजरी

विभिन्न गतिविधियों में जैसे, सामाजिक, खेल, मनोरंजन, अकादमिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, त्योहार संबंधी जमघट, रात्रिकालीन कर्फ्यू, सार्वजनिक परिवहन माध्यमों का परिचालन, खरीददारी के परिसरों, सिनेमा हॉल, जिम, स्पा, रेस्टोरेंट और बार, स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों और अन्य व्यवसायिक गतिविधियों को शुरु करने में छूट देने पर विचार किया जा सकता है।

विदेश नीति को लेकर राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला

यह गलती एक दिन देश को पड़ेगी भारी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार जो रणनीतिक गलतियां कर रही है उसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ेगा। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, '' इस सरकार की रणनीतिक गलतियां बहुत महंगी साबित होंगी। कांग्रेस नेता ने इसके साथ ही कुछ अखबारों में छपी खबरें भी पोस्ट की है जिनमें एक अखबार ने लोकसभा में राहुल गांधी के बयान को उद्धृत करते हुए कहा है कि मोदी सरकार की रणनीतिक गलतियों के कारण चीन और पाकिस्तान एक साथ आ गए है।

एक दूसरी खबर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहते है कि चीन के साथ भारत के संबंध बहुत कठिन दौर से गुजर रहे है। उन्होंने एक और खबर पोस्ट की है जिसमे सवाल किया गया कि क्या चीन की मदद से पाकिस्तान रूस में पुल का निर्माण करेगा। इस सवाल पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान हां बोलते हैं और फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हैं। इसी में एक और खबर दी गई है जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तान और रूस के बीच बढ़ते संबंध वैश्विक स्तर पर नए समीकरण पैदा कर रहे है।

दिल्ली में फरवरी में 36 प्रतिशत मौत का कारण कोविड-19: आंकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी महीने में अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित होकर मरने वाले 250 मरीजों में से 90 की मौत का मुख्य कारण कोविड-19 था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की एक बैठक में शुक्रवार को साझा किए गए आंकड़ों

के अनुसार एक फरवरी से चार फरवरी के बीच मरने वाले 157 मरीजों में कोविड-19 मुख्य वजह के रूप में सामने आया।

अधिकारियों ने कहा कि वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के कारण आई महामारी की तीसरी लहर के दौरान होने वाली ज्यादातर मौतों में कैंसर, लिवर और हृदय रोग जैसी बीमारियों के मरीज प्रमुख थे।

इस्कॉन और श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च (एसआईआईआर) खोज रहे हैं भारतीय पारंपरिक ज्ञान, ग्रामीण विकास और का समर्थन करने के लिए परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण

नई दिल्ली। इस्कॉन और श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च (एसआईआईआर) भारतीय पारंपरिक ज्ञान, ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करने के लिए संयुक्त परियोजनाओं की खोज कर रहा है।

स्वामी करुणा चंद्र दास और स्वामी विष्णु स्वरूप दास के नेतृत्व में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के प्रतिनिधिमंडल ने श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च (एसआईआईआर) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विशेषज्ञों और टीम के नेताओं के साथ बातचीत की, खाद्य और फार्मा, आयुर्वेद, व्यक्तिगत देखभाल, पर्यावरण, अपशिष्ट प्रबंधन, विष विज्ञान, आदि के क्षेत्र में विभिन्न वैज्ञानिक सुविधाओं और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का दौरा किया।

एसआईआईआर टीम का नेतृत्व डॉ. मुकुल दास, निदेशक और श्री विजय सरदाना, अधिवक्ता, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और संस्थान के तकनीकी-कानूनी सलाहकार और सभी विभागीय प्रमुखों द्वारा समर्थित थे।

श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च और इस्कॉन खाद्य और पोषण के क्षेत्र में नवीन प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए संयुक्त क्षेत्रों का पता लगाएगा, जिसमें गाय के गोबर और मूत्र, दूध उत्पाद, जल प्रबंधन, कम लागत वाली निर्माण सामग्री, और उपन्यास पेंट और कोटिंग शामिल हैं। नई परियोजनाओं में उपयोग और मंदिरों, पर्यावरण शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण में मौजूदा संरचनाओं का नवीनीकरण। एसआईआईआर और इस्कॉन संयुक्त रूप से महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण रोजगार सृजन के लिए उद्यमिता कार्यक्रमों के क्षेत्र में ÷आत्मनिर्भर भारत÷ पहल पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

जिसमें ध्वनि वैज्ञानिक तर्क के साथ भारत के पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देना शामिल है। प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से किसान उत्थान, गांवों के लिए हरित ऊर्जा समाधान, मंदिरों में फूलों पर आधारित उत्पाद, बायोडिग्रेडेबल टेबलवेयर आदि कुछ फोकस क्षेत्र हैं।

इस्कॉन टीम ने 10 एकड़ के बड़े आधुनिक परिसर में एसआईआईआर में एक छत के नीचे उपलब्ध विश्व स्तरीय तकनीकी सुविधाओं की सराहना की। इस्कॉन टीम ने एसआईआईआर टीमों द्वारा उत्पाद विकास और संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान और विकास कार्यों की सराहना की ताकि प्रौद्योगिकी अंततः उपयोगकर्ताओं और समाज को लाभान्वित कर सके।

यह अनुमान लगाया जा सकता है कि एसआईआईआर और इस्कॉन के बीच यह सहयोग पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रचार को मजबूत करेगा जिसे विश्व स्तर के उपकरणों और प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके नवीनतम तकनीकों द्वारा मान्य किया जाएगा। यह मानव जाति और पर्यावरण के लाभ के लिए वैश्विक बाजार में भारतीय ज्ञान का आधार स्थापित करने के लिए आधुनिक तकनीकों के साथ आध्यात्मिकता का सही मेल होगा।

दिल्ली के स्कूलों में 'धार्मिक पोशाक' पर रोक, छात्रों को निर्धारित ड्रेस कोड में ही मिलेगी एंट्री

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) की शिक्षा समिति ने अपने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि कोई भी छात्र-छात्रा 'धार्मिक पोशाक% पहन कर एसडीएमसी के स्कूलों में न आए। एसडीएमसी की शिक्षा समिति की अध्यक्ष नितिका शर्मा ने इस संबंध में एसडीएमसी के शिक्षा निदेशक को पत्र लिखा है। पत्र में शर्मा ने शिक्षा निदेशक से सभी जोनल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने को कहा है कि एसडीएमसी के प्राथमिक स्कूलों में छात्र-छात्राएं 'धार्मिक पोशाक पहनकर न आएं और उन्हें निर्धारित ड्रेस कोड में ही स्कूल में प्रवेश करने की अनुमति दी जाए। एसडीएमसी का यह फैसला उत्तर-पूर्वी दिल्ली के तुखमीरपुर इलाके में एक अभिभावक द्वारा यह आरोप लगाए जाने के कुछ दिन बाद आया है कि सरकारी स्कूल के एक शिक्षक ने उसकी बेटी से सिर पर बंधा 'स्कार्फ हटाने को कहा था। शर्मा ने तर्क दिया कि 'धार्मिक पोशाक पहनकर कक्षा में शामिल होने से छात्र-छात्राओं के बीच 'असामनता% का भाव पैदा होगा। उन्होंने कहा, ÷मैंने एसडीएमसी के शिक्षा निदेशक से जोनल अधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने को कहा है कि छात्र-छात्राएं धार्मिक पोशाक में स्कूलों में न आएं, क्योंकि इससे उनके बीच मतभेद और असमानता का भाव पनपता है।

दिल्ली की सड़के एक महीने के भीतर होंगी गड्ढामुक्त, निर्माण में पाई गई कोई खामी तो नपेंगे इंजिनियर: पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया

आनंद राय

नई दिल्ली। दिल्ली के नागरिकों को अब महीने भर के भीतर गड्ढामुक्त सड़कों से निजात मिल जाएगा7 साथ ही यदि किसी सड़क के निर्माण में कोई खामी पाई जाती है तो वहां के संबंधित इंजिनियर पर इसकी गाज गिरेगी7 दिल्ली के नागरिकों को बेहतर सड़कें मिल सके और वे खराब सड़कों को लेकर अपनी शिकायत दर्ज कर सके इसको लेकर पीडब्ल्यूडी दिल्ली जल्द ही एक ऐप लांच भी करेगी7 इस बाबत पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को को एक समीक्षा बैठक के दौरान पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को आदेश दिए7 उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें बेहतर सड़के भी शामिल है7

महीनेभर के भीतर गड्ढामुक्त होंगी दिल्ली के सड़कें

श्री सिसोदिया ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द ही पीडब्ल्यूडी दिल्ली के अंतर्गत आने वाली सभी 1300 किमी की सड़कों की जाँच की जाए और जिन स्थानों पर सड़कों में पैचवर्क व मरम्मत की जरुरत है उसके एक महीने के भीतर पूरा किया जाए7 उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की सड़क मरम्मत का काम बिना किसी देरी के बेहतर ढंग से होना चाहिए और यदि कार्य में देरी होती है या कोई खामी पाई जाती है तो संबंधित इंजिनियरों के खिलाफ करवाई की जाएगी।

पीडब्ल्यूडी दिल्ली करेगी मोबाइल ऐप लांच

दिल्ली के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सके और उनकी शिकायतों पर तुरंत करवाई की जाए इसको लेकर पीडब्ल्यूडी दिल्ली जल्द ही एक मोबाइल एप्लीकेशन भी लांच करेगी7 इस एप्लीकेशन के माध्यम से दिल्ली के नागरिक

पति सीमा पर करता है देश की रक्षा, पत्नी घर पर करती है यह काम; सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसके साथ बलात्कार के आरोपी व्यक्ति की जमानत रद्द करने का अनुरोध किया गया था। इसके साथ ही न्यायालय ने कहा कि यह सहमति से बने संबंध का मामला प्रतीत होता है जिसमें महिला उस व्यक्ति के साथ होटलों में गई और केंद्रीय सुरक्षा बल में कार्यरत तथा सीमा पर तैनात अपने पति द्वारा भेजा गया वेतन खर्च किया।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने आरोपी को जमानत देने के राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में कोई हस्तक्षेप नहीं किया। पीठ ने कहा, ''आप (महिला) अपने बच्चों को घर पर छोड़ कर उसके साथ (आरोपी) होटलों में गयीं। आरोपी के साथ रहने के लिए पास के एक शहर में किराए पर अलग कमरा लिया। इस तरह आप अपने पति का पैसा खर्च कर रही थीं, जो आईटीबीपी कर्मी हैं। सीमा पर तैनात उस बेचारे व्यक्ति को यह भी नहीं

पता था कि उनकी पत्नी घर पर क्या कर रही है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि आरोप पत्र से प्रतीत होता है कि यह सहमति से बने संबंध का मामला था और इसलिए पीठ दो दिसंबर, 2021 के उच्च न्यायालय के आदेश में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी। महिला की ओर से पेश वकील आदित्य जैन ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता को परेशान किया और उसके साथ कई बार बलात्कार किया और पैसे के लिए ब्लैकमेल भी किया। उन्होंने इसे साबित करने के लिए बैंक के कुछ लेनदेन का भी जिक्र किया और कहा कि उच्च न्यायालय ने शिकायतकर्ता की दलीलों पर गौर नहीं किया तथा आरोपी को यह कहते हुए जमानत दे दी कि मामले में आरोप पत्र दायर किया जा चुका है।

ज्यो इंडिया कंपनी के सीईओ धीरज कुमार भारती और गुरचरण सिंह कश्यप के द्वारा नांगलोई मुंडका में ज्यो इंडिया के ब्रांच ऑफिस का शुभारम्भ किया गया ।

सम्पादकीय

तेल की धार

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के लगातार बढ़ते दाम नए संकट का संकेत दे रहे हैं। सबसे बड़ा संकट तो यही कि कच्चा तेल महंगा होने से घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ेंगे। इससे महंगाई और बढ़ेगी और इसकी सीधी मार आम आदमी पर ही पड़ेगी। यों कच्चे तेल में तेजी पिछले कई महीनों से बनी हुई है, पर अब रूस-यूक्रेन विवाद ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। इस वक्त कच्चा तेल अट्ठानबे डालर प्रति बैरल तक आ गया है।

यह पिछले आठ साल में सबसे ज्यादा है। इस बात की भी आशंका है कि अगले कुछ महीनों में यह एक सौ बीस डालर तक भी जा सकता है। ऐसे में अभी यह पाना कठिन है कि आगे क्या होगा। और फिर सवाल कीमत तक ही सीमित नहीं है, कच्चे तेल की आपूर्ति की समस्या गहराने का भी डर बना हुआ है। ऐसे में घरेलू तेल कंपनियां क्या कदम उठाती हैं, यह देखने की बात है। पर जैसे अनिश्चितता भरे हालात बन गए हैं, उससे सरकार और तेल कंपनियों के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं।

गौरतलब है कि तीन-चार महीने पहले तक कच्चा तेल अस्सी-पिच्यासी डालर प्रति बैरल के बीच बना हुआ था। हालांकि तब भी यह कम नहीं था। दाम तो काफी समय से बढ़ ही रहे थे। लेकिन भारत में तेल कंपनियों ने पिछले साल दो नवंबर के बाद से पेट्रोल

और डीजल के दाम अभी तक नहीं बढ़ाए हैं। जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल बयासी डालर से बढ़ कर सौ डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। हालांकि दाम नहीं बढ़ाने के पीछे तेल कंपनियों का मकसद लोगों को राहत देना नहीं रहा होगा, बल्कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर रणनीति के तहत ही ऐसा किया होगा।

वरना पहले तो तेल कंपनियां लगातार दाम बढ़ाए ही जा रही थीं। पिछले साल कई महीनों तक पेट्रोल और डीजल सौ रुपए लीटर से ऊपर ही बिके। इसलिए अब तेल कंपनियों के सामने मुश्किल यह होगी कि वे घरेलू बाजार में दाम और आपूर्ति के संकट से कैसे निपटें। सरकार के सामने संकट महंगाई थामने का होगा। कच्चे तेल का असर खुदरा महंगाई पर तेजी से पड़ता है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते ही आम आदमी के रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली चीजें तुरंत महंगी हो जाती हैं। भारत में लोग लंबे समय से इसे भुगत ही रहे हैं।

आने वाले संकट से सरकार अनजान नहीं है। इसीलिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कच्चे तेल के बढ़ते दाम को बड़ी चुनौती बताया है। कच्चा तेल महंगा होने से सरकार का आयात बिल बढ़ जाता है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ता है। हालांकि जैसा सरकार का दावा है, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत स्थिति में है। पिछले दो सालों में सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर कर लगा कर अपना खजाना भरा ही है। लेकिन तेल कंपनियों ने अगर फिर से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने शुरू कर दिए, जिसकी प्रबल संभावना है, तो महंगाई थामना सरकार के बूते के बाहर हो जाएगा।

खुदरा महंगाई वैसे ही रिजर्व बैंक के निर्धारित दो से छह फीसद के दायरे के बाहर बनी हुई है। अगर रूस-यूक्रेन में जंग छिड़ गई तो आपूर्ति गड़बड़ा सकती है। फिर तेल उत्पादक देशों का संगठन भी उत्पादन नहीं बढ़ा रहा है। भारत साठ फीसद से ज्यादा तेल इराक और सऊदी अरब जैसे देशों से खरीदता है। ऐसे में घरेलू बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों के दामों को तार्किक स्तर पर रखते हुए लोगों को महंगाई की मार से कैसे बचाया जाए, सरकार को यह सोचना होगा।

परीक्षा का ढंग

परीक्षाएं इसलिए कराई जाती हैं कि विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता और उनकी योग्यता का मूल्यांकन किया जा सके। हालांकि परीक्षाओं का विरोध भी होता रहा है। अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि परीक्षाएं विद्यार्थियों में भय पैदा करती हैं और वे किसी की प्रतिभा के मूल्यांकन का अंतिम उपाय नहीं मानी जा सकतीं। इसलिए सतत मूल्यांकन आदि की व्यवस्था भी की गई।

मगर दुनिया भर में अभी तक कोई ऐसा उपाय नहीं तलाशा जा सका है, जिसके जरिए विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई को उचित ढंग से जांचा जा सके।

पिछले साल जब कोरोना की दूसरी लहर चरम पर थी, देश में चौतरफा हाहाकार की स्थिति थी, तब शिक्षा बोर्डों के सामने चुनौती खड़ी हो गई थी कि वे विद्यार्थियों का मूल्यांकन कैसे करें। आखिरकार इंटरनेट के माध्यम से परीक्षा कराने का उपाय तलाशा गया। इस साल भी कुछ लोग मांग कर रहे थे कि परीक्षाएं पहले की तरह केंद्रों पर न करा कर इंटरनेट माध्यम से ही कराई जाएं। इसके पीछे उनका तर्क था कि चूंकि पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से बच्चे स्कूल नहीं जा पाए हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई ठीक से नहीं हो पाई है। इसके अलावा कोरोना का भय अभी समाप्त नहीं हुआ है और बहुत सारे बच्चों का टीकाकरण नहीं हो सका है, इसलिए इस साल भी घर बैठे परीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए।

घर बैठे परीक्षा कराने की मांग करने वालों ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई। इस पर न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को फटकार लगाते हुए परीक्षा के मामले में किसी भी तरह की सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना है कि पिछले साल के अनुभवों को आधार नहीं बनाया जा सकता। इस तरह की मांग विद्यार्थियों में भ्रम पैदा करती है। इस तरह की याचिकाओं से छात्र गुमराह होंगे। इस तरह घर बैठे परीक्षा देने की मांग को विराम लग गया है। विद्यार्थियों को स्पष्ट हो गया है कि उन्हें परीक्षा के लिए तैयारी करनी है।

यों पहले ही केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कोरोना की स्थितियों को देखते हुए इस साल होने वाली बोर्ड परीक्षाओं की रूपरेखा काफी आसान बना दी है। उसे दो सत्रों में विभाजित कर दिया है। पहले सत्र की परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर कराई गई, जिसे विद्यार्थी अपने स्कूलों में ही दिया। वह एक तरह से गृह परीक्षा ही थी। अंतिम परीक्षा परीक्षा केंद्रों पर कराई जानी है, जिसमें लघुत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। दोनों परीक्षाओं के अंक जोड़ कर विद्यार्थी का मूल्यांकन होगा। ऐसी ही व्यवस्था राज्य बोर्डों ने भी कर रखी है। इस तरह इस बार पहले के सालों की तुलना में काफी आसान परीक्षा होने वाली है। उसके बावजूद घर बैठे परीक्षा कराने की मांग समझ नहीं आती।

अब कोरोना के मामले काफी कम हो गए हैं। पहले जैसी खतरनाक स्थितियां नहीं हैं, जिसमें संक्रमण का भय हो। फिर परीक्षा केंद्रों पर समुचित दूरी बना कर बैठने, संक्रमणरोधी उपायों की भी व्यवस्था होगी। इसलिए इसे लेकर किसी प्रकार के हिचक की बात नहीं। हां, अनेक अध्ययनों से पता चला है कि कोरोना काल में घर बैठे पढ़ाई करने से छात्रों में सीखने की क्षमता प्रभावित हुई है और पढ़ाई-लिखाई से उनका मन उचटा है। मगर इस आधार पर मूल्यांकन की पद्धति बदलने की छूट नहीं मिल जाती। फिर, अब स्कूल खुल गए हैं, बच्चों को परीक्षा का मानस बनाने में अभिभावकों का भी सहयोग मिले तो परीक्षा में कोई कठिनाई नहीं आनी चाहिए।

यदि यूक्रेन संकट और गहराया तो देश की अर्थव्यवस्था के समक्ष चीन के दुस्साहस को बल मिलेगा

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत उसके अन्य शहरों पर हमला करके न केवल अपनी हद पार करने का काम किया, बल्कि अपने तानाशाही भरे रवैये का भी परिचय दिया। जब यह माना जा रहा था कि उसकी कार्रवाई पूर्वी यूक्रेन के उन क्षेत्रों तक ही सीमित रहेगी, जहां रूस समर्थित अलगाववादियों की सक्रियता है, तब उसने उनसे आगे जाकर यह स्पष्ट कर दिया कि उसका इरादा यूक्रेन को तबाह करके उस पर कब्जा करना है।

विश्व समुदाय और विशेष रूप से अमेरिका एवं उसके नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो के सदस्य देशों को रूस के इन इरादों के खिलाफ खड़ा होना होगा, क्योंकि आज के युग में किसी भी राष्ट्र को इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती कि वह इतिहास की मनमानी व्याख्या करके दूसरे देशों पर कब्जा कर ले। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अड़ियल-अहंकारी चीन भी एक अर्से से ऐतिहासिक तथ्यों और समझौतों को तोड़-मरोड़ कर पड़ोसी देशों को तंग करने में लगा हुआ है। अब तो इसका भी अंदेशा बढ़ गया है कि वह ताइवान में वैसी ही हरकत कर सकता है, जैसी रूस ने यूक्रेन में की।

अमेरिका एवं नाटो देशों को यूक्रेन संकट के हल के लिए इसलिए और अधिक सक्रिय होना होगा, क्योंकि रूस उनकी ही उस पहल से बौखलाया, जिसके तहत वे यूक्रेन को इस सैन्य संगठन का सदस्य बनाने की तैयारी कर रहे थे। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका और यूरोपीय देशों को रूस की चिंता को समझना चाहिए था, लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं कि रूसी राष्ट्रपति कूटनीति के जरिये मसले का हल निकालने की गुंजाइश खत्म करके यूक्रेन पर चढ़ाई कर देते। उन्होंने यही किया और स्वतंत्र देश यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन करने के साथ ही पूरी दुनिया को एक ऐसे समय गहन संकट में डाल दिया, जब वह कोरोना के घातक असर से उबर भी नहीं पाई थी।

चूंकि इसके आसार कम हैं कि बेलगाम दिख रहा रूस अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों के डर से पीछे हट जाएगा, इसलिए ऐसी कोई पहल की जानी चाहिए, जिससे वह बातचीत के जरिये मसले का हल निकालने को तैयार हो। ऐसी किसी पहल में भारत को भी भागीदार बनना होगा, क्योंकि यदि यूक्रेन संकट और गहराया तो देश की अर्थव्यवस्था के समक्ष मुश्किलें पैदा होने के साथ ही चीन के दुस्साहस को भी बल मिलेगा, जो पहले से ही हमारी सीमाओं पर आक्रामक रुख अपनाए खड़ा है।

जीवंत लोकतंत्र के लिए संघर्ष की नई शुरूआत अपेक्षित

पांच राज्यों के वर्तमान चुनाव के सात चरणों में से चार चरणों में चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया व व्यवस्था में सुधार व्यापक देखा गया। धनबल, बाहुबल को काफी हद तक हाशिया मिला। पर बुद्धिबल, जो सबमें श्रेष्ठ व ताकतवर गिना जाता है, उस पर नियंत्रण बिना राष्ट्रीय चरित्र बने सम्भव नहीं। क्योंकि अन्ततोगत्वा बुद्धिबल ही राज करता है। वहां शुद्धि के बिना लोकतंत्र की शुद्धि की कल्पना अधूरी है और यह अधूरापन इन पांच राज्यों के चुनावों की भी विडम्बना बना है। उत्तर प्रदेश का चुनाव तो जैसे मुख्य राष्ट्रीय चुनाव से कम नहीं है। समूचे विश्व की दृष्टि वर्तमान में उत्तर प्रदेश पर केंद्रित है। देश के इस सबसे बड़े प्रदेश में लोकतंत्र में निहित नैतिकता की सारी सीमाएं ही लांघ दीं गई हैं। एक पार्टी ने तो कुख्यात अपराधियों तक को मैदान में उतार दिया है और चुनाव जीतने पर अपराधियों को सरकारी सुविधाओं से लैस करने का वचन दे दिया है। इसी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बदला लेने की भावना एवं हिंसक मानसिकता से ग्रस्त होकर 'चुनाव के बाद देख लेने' जैसी 'बाहुबली संस्कारों' वाली भाषा से लोकतंत्र को शर्मसार कर रहे हैं।

इसे भी पढ़ें- भारतीय लोकतंत्र में सही नहीं राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच का विवाद

बाहुबल का जब भी प्रयोग हुआ या होता है तो नतीजा महाभारत होता है। हमने पश्चिम बंगाल के चुनावों में बाहुबल का प्रयोग देखा। चुनाव के दौरान एवं चुनाव के बाद के खून से लथपथ दृश्य हमारी आंखों में आज भी बसे हैं, जो लोकतंत्र में छिपी एक ऐसी नियति का दुष्परिणाम है जो भारत और भारतीयता के सूर्य को ही निगलना चाहती है। चुनाव जीतने के बाद बहुमत वाली ममता की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किस तरह से विरोधी पार्टी को वोट देने वाले सामान्य लोगों के घर जलाए, हत्याएं की और कितने ही लोगों को पड़ोसी राज्यों में शरण लेने के लिए बाध्य कर दिया। इन दृश्यों ने बंगाल को तो आतंकित किया ही है, अब तथाकथित समाजवादी दल के विजय होने की संभावना मात्र से उत्तर प्रदेश की जनता डरी हुई है।

विडम्बना देखिये- वोटों की बुनियाद पर खड़ा लोकतंत्र और ऊपर से अपनी सहिष्णुता एवं सौहार्द का कायल भारतीय विशाल मतदाता समुदाय ऐसी घटनाओं को ऑक्सीजन देने का आदि हो गया है। लेकिन कब तक? उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव तो ऐसी-ऐसी विडम्बनाओं को पक्का कर रहे हैं जिनसे भविष्य में तंत्र भले ही बचा रहे, लोक जीवन खतरे में पड़े बिना नहीं रह सकता। सत्ता तक पहुंचने के लिए जिस प्रकार दल-टूटन व गठबंधन हुआ है इससे सबके मन में अकल्पनीय सम्भावनाओं की सिहरन उठती है। राष्ट्र और राष्ट्रीयता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लगे हैं। कुछ अनहोनी होगी, ऐसा सब महसूस कर रहे हैं। प्रजातंत्र में टकराव होता है। विचार फर्क भी होता है। मन-मुटाव भी होता है पर मर्यादापूर्वक। अब इस आधार को ताक पर रख दिया गया है। राजनीति में दुश्मन स्थाई नहीं होते। अवसरवादिता दुश्मन को दोस्त और दोस्त को दुश्मन बना देती है। यह भी बड़े रूप में देखने को मिला। धनबल का जब भी प्रयोग हुआ तो नतीजा शोषण, गुलामी के रूप में हुआ।

एक तरफ लोकतंत्र का उत्सव है, दूसरी ओर चुनाव के इसी उत्सव के दौरान कर्नाटक से एक वर्ग द्वारा आजादी के नाम पर महिलाओं को गुलामी के एक प्रतीक से ढकने की आवाज उठी है। हम खाने में अलग, पहनने में अलग, सूंघने में अलग-जब ऐसे अलगाववादी-जिन्नवादी तत्त्व बोतल से निकल बाहर आते हैं तो राष्ट्रीयता के तत्त्व पृष्ठभूमि में-रसातल में चले जाते हैं। कर्णाटक में छात्राओं को आजादी के नाम पर गुलामी के प्रतीक देकर सड़कों पर उतारने वाले अपनी राष्ट्रविरोधी सोच का परिचय देते हुए अपनी संकीर्ण पुरुषवादी मानसिकता का बोझ महिलाओं पर लाद रहे हैं। महिलाओं को बाध्य किया जा रहा है कि वे काले बुर्के में अपने सपनों का गला घोटते अपनी जिंदगी को गुलामी के खूंटे से बाँध कर रखें। और इसकी शुरुवात शिक्षा के मन्दिरों से की जा रही है। बुरकाप्रथा की मानसिकता की शिकार लड़कियों को यह पता नहीं कि कट्टरपंथियों का अगला निशाना उन्हें तालिबान की तरह शिक्षा और नौकरियों से वंचित करना होगा। लेकिन स्वार्थ एवं कट्टरवाद के नाम पर महिलाओं को गुलाम बनाने का यह षड़यंत्र चुनाव को प्रभावित करने के लिये रचा गया है। यह भी लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन है।

भारत में लोकतंत्र की व्यूह रचना के आधार राजनीति दल हैं और ये राजनीतिक दल वोट बैंक पर टिके हैं। यही कारण है कि लोकतंत्र में सिर गिने जाते हैं, मस्तिष्क नहीं। इसका खामियाजा हमारा लोकतंत्र भुगतता है, भुगतता रहा है। ज्यादा सिर आ रहे हैं, मस्तिष्क नहीं। जाति, धर्म और वर्ग के मुखौटे ज्यादा हैं, मनुष्यता के चेहरे कम। बुद्धि का छलपूर्ण उपयोग कर समीकरण का चक्रव्यूह बना देते हैं, जिससे निकलना अभिमन्यु (मतदाता) ने सीखा नहीं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी द्वारा अपराधियों को चुनाव के अखाड़े में उतारना, कर्णाटक में छात्राओं को बुर्के में कैद करना, राजनीतिज्ञों में शब्द-हथियारों से गृह युद्ध-सा छिड़ना, और चुनाव विश्लेषकों द्वारा जाति-धर्म के आधार पर जीत-हार का अद्भुत गणित विकसित करना-क्या यह सब भारत की एकता एवं अखंडता को तार-तार करने का खेल नहीं है? क्या यह लोकतंत्र के नाम पर भारत राष्ट्र को कमजोर करने का उपक्रम नहीं है? मतदाता सौ प्रतिशत शिक्षित हों, गरीबी की रेखा से नीचे कोई नहीं रहे, तभी लोगों को लोकतंत्र का अर्थ और मूल्य समझ में आएगा। तभी ये जाति, धर्म और वर्गों के समीकरण टूटेंगे। तभी लोकतंत्र को सिर नहीं मस्तिष्क मिलेंगे। पांच राज्यों के चुनावों के परिणाम 10 मार्च 2022 को आ जायेंगे और जहां पहुंचकर चुनाव आयोग की आचार संहिता के लम्बे हाथ भी बौने हो जायेंगे। मतदाता का रोल भी समाप्त हो जाएगा। वे दिन प्रतिनिधियों के होंगे, इसी दिन के लिए तो वे खड़े हुए हैं वरना सेवा तो वे लोग ज्यादा करते हैं जो सत्ता से बाहर हैं। पर वैसे लोगों को केवल आदर मिलता है और नेताओं के पेट आदर से नहीं भरते, उनकी जीभ अंगुलियों पर है। जैसे भय के बिना प्रीत नहीं होती, वैसे ही भय के बिना सुधार भी नहीं होता। इस चुनाव में सबसे बड़ा हल्ला यह था की कहीं हल्ला नहीं है।

लोकतंत्र में जनता की आवाज की ठेकेदारी राजनैतिक दलों ने ले रखी है, पर ईमानदारी से यह दायित्व कोई भी दल सही रूप में नहीं निभा रहा है। ÷सारे ही दल एक जैसे हैं यह सुगबुगाहट जनता के बीच बिना कान लगाए भी स्पष्ट सुनाई दी है। राजनीतिज्ञ पारे कर तरह हैं, अगर हम उस पर अँगुली रखने की कोशिश करेंगे तो उसके नीचे कुछ नहीं मिलेगा। चुनाव अभियान में जो मतदाताओं के मुंह से सुना गया उनके भावों को शब्द दें तो जन-संदेश यह होगा-स्थिरता किसके लिए? नेताओं के लिए या नीतियों के लिए। परिवर्तन की बात सब करते हैं। परिवर्तन की बातें भी बहुत हुईं, पर मुद्दों में परिवर्तन नहीं। एक थकी हुई सरकार भ्रष्ट सरकार से भी ज्यादा खतरनाक होती है। कमजोर प्रशासन भी भ्रष्टाचार है। आज वीआईपी (अति महत्वपूर्ण व्यक्ति) और वीसीपी (अति भ्रष्ट व्यक्ति) में फर्क करना मुश्किल हो गया है। भारत में गॉड और गॉडमैन ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो गये हैं। लगता है किसी भगवान को इस स्थिति से बचाने के लिए आना होगा। प्रत्याशी अपनी टिकटों की कीमत जानते हैं, मूल्य नहीं। अपने गर्व को महत्व देते हैं, शहीदों के गौरव को नहीं। लोकतंत्र में भय कानून का होना चाहिए, व्यक्ति का नहीं।

एक दिन का राजा माने जाने वाले मतदाता की ताकत का राजनीतिक दलों ने जमकर दुरुपयोग करने के नये-नये तरीके इजाद कर लिये हैं। क्योंकि उनमें देश-समाज को खंडित करने वाली नीयत भी होती है एवं राष्ट्र के प्रतीकों को तिरष्कृत करने का आग्रह भी होता है। कुछ चीजों का नष्ट होना जरूरी था, अनेक चीजों को नष्ट होने से बचाने के लिए। जो नष्ट हो चुका वह कुछ कम नहीं, मगर जो नष्ट होने से बच गया वह उस बहुत से बहुत है। लोकतंत्र को जीवन्त करने के लिए हमें संघर्ष की फिर नई शुरूआत करनी पड़ेगी, वरना हर पाँच साल में मतपत्र पर ठप्पा लगाने का यह बासी हो चुका विकल्प हमें यूँ ही छलता रहेगा।

नर्मदा की व्यथा

करुणा रघुवंशी,
पर्यावरणविद

नर्मदा;- नर्म अर्थात सुख और दा अर्थात देनेवाली।

जिसके दर्शन मात्र से ही सुख प्राप्त होता है वह है माँ नर्मदा।

माँ गंगा से पहले से भी धरती पर बहने वाली ,मानव जाति को सुख सम्पदा प्रदान करने वाली माँ नर्मदा के जन्म की अनेकों किवंदती प्रचलित है।

कहते एक बार भगवान शिव तपस्या कर रहे थे तभी उनके शरीर से पसीने की बूंद निकली जिसने नदी का रूप धारण करते ही ऐसी -ऐसी लीलाएं दिखाई की माता पार्वती और भगवान शिव को अति आनंद की अनुभूति हुई और उन्होंने उस नदी का नाम नर्मदा रख दिया।वैसे तो नर्मदा नदी के अनेकों नाम जैसे रेवा ,मेकलसुता,सूर्यपुत्री जैसे नाम भी है लेकिन नर्मदा ही सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।माँ गंगा शिव की जटा से निकली हैं और माँ नर्मदा भगवान शिव के पसीने की बूंद से जन्मी है, इसलिए दोनो ही सनातन संस्कृति में माता के तुल्य मानी जाती है।यमुना में 7 दिन स्नान करने से,सरस्वती नदी में 3 दिन स्नान करने से, माँ गंगा में 1 दिन स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती हैं किंतु माँ नर्मदा के दर्शन मात्र से पापो से मुक्ति मिल जाती हैं।माँ गंगा को गंगोत्री और कनखल में सबसे पवित्र माना जाता है किंतु नर्मदा को प्रत्येक गांव,नगर,जँगल में पवित्र माना जाता है, इसलिये इसके किनारों पर हर जगह श्राद्ध कर्म किया जाता है।कहते हैं नर्मदा का हर कंकर का आकार शिवलिंग की तरह होता है।पृथ्वी के जन्म के समय से मानव जाति को हर रूप में सुख देने वाली नर्मदा जिसके किनारे सैकड़ों धर्म स्थल ,सिद्ध-भूमि,करोड़ो सन्तो की कर्मस्थली आज खुद अपने अस्तित्व को बचाने के लिए जद्दोजहद कर रही हैं।

अमरकंटक से निकलकर नर्मदा खम्बात की खाड़ी तक 1312 किलोमीटर के सफर में न जाने कितने जीवो को पोषित करती है,करोड़े धार्मिक स्थल, लाखो परिक्रमा वासी,लाखो हेक्टेयर भूमि को उपजाऊ करने वाली नर्मदा आज अवैध खनन, अवध निर्माण,और गंदे नाले-फैक्ट्रियों के रसायनों से न केवल दूषित हो रही हैं बल्कि अपने अस्तित्व को भी खो रही है।

शायद यह जानकारी आम व्यक्ति को न हो लेकिन यह अकाट्य सत्य है कि नर्मदा 650 किलोमीटर में लगभग विलुप्त हो चुकी है,100 किलोमीटर तक समुद्र के पास नर्मदा का पानी खारा हो चुका है।लगभग 45 प्रतिशत जल की मात्रा नर्मदा में कम हो चूंकि हैं और नर्मदा के रेपेरियन जोन के जंगल लगभग समाप्त हो चुके है जो इस नर्मदा का प्राण क्षेत्र कहलाते हैं अर्थात इन्ही जंगलो से नर्मदा में वर्ष भर जल की मात्रा रहती है इसके साथ ही इसमे पाए जाने वाले जीव जंतुओं की संख्या भी लगातार कम होते जा रही हैं।लगातार होते उत्खनन के कारण नर्मदा की जल धारण करने की क्षमता भी क्षीण होती जा रही हैं।

अरबो रुपये का बजट,सैकड़ो नीतियां ,उच्च न्यायालय के सैकड़ों आदेशो के बाबजूद स्तिथि जस की तस बनी हुई है क्यो??

क्योंकि देशहित नीति से नही नियत से साधा जाता है।नर्मदा को बचाने की नीयत न सरकार की है न प्रशासन की, वातानुकूलित कमरों में नीति बनाकर ,उसकी फर्जी रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखने से यदि वास्तविक स्तिथि बदल जाती तो शायद आज यह लेख नही लिखना पड़ता।

नर्मदा जयंती पर करोड़ो रूपये खर्च करने से, घाटों को जगमगाने से हम नर्मदा के प्रति आस्था प्रकट कर रहे हैं या अपना कर्तव्य पूरा कर रहे हैं तो यह सिर्फ खुद की पीठ थपथपाने वाली बात है।नर्मदा सबसे ज्यादा जबलपुर और होशंगाबाद में प्रदूषित है,होशंगाबाद जिले के कुछ जिम्मेदार प्रशाशनिक अधिकारियों से इस विषय पर चार चर्चा की गई तो जबाब आश्चर्य करने वाला था,नर्मदा में मिलते गंदे नाले से 50 मीटर की दूरी पर खड़े होकर अधिकारी नर्मदा जयंती के गुणगान करते रहे और साफ मुकरते रहे कि नर्मदा में कोई गन्दा नाला मिल ही नही रहा है।एक और आश्चर्य इस बात का की दिनदहाड़े सैकड़ो डंपर और ट्रैक्टर लगातार अवैध खनन कर रहे हैं और किसी मे साहस नहीं कि उन्हें रोक सके।इसमे हम पूरी तरह प्रशासन को दोष नही दे सकते क्योंकि कइयों अधिकारियों ने इसे रोकने की कोशिश भी की है समय समय पर ,नतीजा या तो उनका ट्रांसफर कर दिया जाता हैं या उन्हें जान से हाथ धोना पड़ता हैं क्योंकि बिना राजनीतिक संरक्षण के यह सम्भव ही नही है।जिस नर्मदा की झूठी भक्ति का दिखावा करके विधानसभा और संसद पहुँचे नेताओ की भी आत्मा ,पल -पल दम तोड़ती नर्मदा को देखकर धिक्कारा ती नही है।इसमे उनका भी दोष नहीं है क्योंकि हमारे राजनेताओं के लिए राजनीति केवल एक व्यापार है और देश उनके हाथों का खिलौना।लाल बहादुर शास्त्री जी की तरह राजनीति को देश सेवा समझते तो इंसान के न सही उस जीवनदायिनी के दर्द को जरूर समझते।इस कर्म में बराबर के दोषी सन्त समाज और आम जनता भी है क्योंकि सन्तो ने सरकार से मिलने वाली सुविधाओं के लिए चोला तो सन्तो का धारण कर लिया किंतु आत्मा उनके समक्ष गिरवी रख दी।आम जनता भी चंद राशन और बिजली बिलों की माफी को जीवन समझकर ,जाति-सम्प्रदाय में नाम पर जिस चीज से हमारा जीवन चल रहा है उसे ही भूल गई।कोरोना काल ने हमे बता दिया कि प्रकृति का क्या महत्व है उसके उपरांत भी हम सुविधाओं में उलझकर सच्चे सुख को भूल गए हैं।हर व्यक्ति एक बार कल्पना करे की यदि जँगल और नदियां नही होगी तो क्या होगा।

अब वक्त है आम जनता,साधु-संत,शासन-प्रशासन सभी को वास्तव में नर्मदा के संरक्षण के लिए नीति से नही सही नियत से काम करने का अन्यथा वह दिन दूर नही जब नर्मदा भी सरस्वती नदी की राह पर चलकर विलुप्त हो जाएगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

25 फरवरी चुनाव प्रचार के अन्तिम दिन सपा प्रत्याशी राकेश वर्मा के लिये असलम कुरैशी ने वोट माँगे

संवाददाता

फ तेहपुर, बाराबंकी। कुर्सी विधानसभा 266 के प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश वर्मा जी के नेतृत्व में 25 फरवरी चुनाव प्रचार के अन्तिम दिन जनता के बीच जाकर 2012 से 2017 तक किए गए कार्यों को जनता के बीच बताया गया और सपा प्रत्याशी राकेश वर्मा के लिए असलम कुरैशी ने वोट माँगे एवं भारी बहुमत से जिताने की अपील भी की। मोहल्ला पचघरा वार्ड 1 नालापार उत्तरी का भ्रमण समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी पूर्व जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद असलम कुरैशी द्वारा किया गया उन्होंने अपने सम्बोधन में बताया कि 2022 में सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली, गरीब लड़की की शादी के लिए एक लाख रुपये कन्या विद्याधन, लैपटॉप, बेरोजगारी भत्ता, मोटरसाइकिल मालिकों को 1 लीटर तेल, 4 साल के अंदर किसानों का कर्जा माफ, 12वीं पास बच्चों को लैपटॉप, वाहनों को हर माह 3 लीटर पेट्रोल, 6 किलो सीएनजी फ्री दी जाएगी, लड़कियों की शिक्षा के0 जी0 से पी0 जी0 तक फ्री पढ़ाई, 1090 पावर लाइन की शुरुआत समाजवादी पार्टी करेगी। भ्रमण के दौरान नबी हसन खान पूर्व समाजवादी नगर अध्यक्ष, डॉक्टर जुबेर पूर्व लोहिया वाहिनी नगर अध्यक्ष, डॉक्टर अकील राही, मोहम्मद इरशाद कुरैशी, शेख शहाबुद्दीन युवजनसभा नगर अध्यक्ष, शकील खान अल्पसंख्यक नगर अध्यक्ष, अली उमर आदि लोग मौजूद थे।

रूस यूक्रेन युद्ध में फंसे छात्रों को लेकर परिजनों में बढ़ रही चिंताएं

❑ नगर की एक छात्रा और एक छात्र यूक्रेन के अलग अलग शहरों में फंसे

सौरिख कन्नौज। यूक्रेन में शुरू हुए युद्ध के बाद वहां फंसे भारतीयों को लेकर परिजनों की चिंताएं बढ़ती जा रही हैं।युद्ध के दौरान वहां फंसे लोगों को खाने पीने के अलावा सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं हैं यूक्रेन में नगर की एक छात्रा व एक छात्र भी मेडिकल की पढ़ाई के लिए गए थे जो वहां फंसे हुए हैं। नगर के लोहिया नगर निवासी फार्मासिस्ट घनश्याम सिंह की बेटी तनिष्का श्याम एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए इसी माह 13 फरवरी को यूक्रेन के कीव शहर गई थी और 18 फरवरी को उसका एडमिशन हुआ था। 24 फरवरी की सुबह रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया तनिष्का की मम्मी पापा से वीडियो काल पर हुई बातचीत में बताया कि हास्टल में 50-60 के करीब छात्र छात्राएं हैं और खाने पीने की किल्लत होने लगी है।इसके अलावा नेहरू नगर के रहने वाले होशियार खान का बेटा आसिफ खान 2017 में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए यूक्रेन के ओडेसा शहर के विश्वविद्यालय गया था। उसकी पढ़ाई का यह आखिरी साल है आसिफ खान के परिजन लगातार उससे वीडियो काल से सम्पर्क में है और हिम्मत बंधा रहे हैं।

आसिफ और तनिष्का श्याम ने परिजनों को बताया कि चारो ओर धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही हैं।परिजनों ने भारत सरकार से तत्काल वहां फंसे लोगों को निकालने के लिए उचित कदम उठाने की गुहार लगाई।

पांचवें दिन पिता ने दर्ज कराई पुत्र की गुमशुदगी

सौरिख कन्नौज। शाम के समय घर से निकला किशोर देर रात तक जब वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की।काफी खोजबीन के बाद भी जब किशोर का सूराग नहीं लगा तो पांचवें दिन पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। थाना क्षेत्र के सकरावा चौकी के बीबीपुर निवासी राजेश दिवाकर का 14 वर्षीय पुत्र विकास 21 फरवरी की शाम करीब 6 बजे घर से निकला था।देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने आसपास व रिश्तेदारी में खोजबीन शुरू की लेकिन सूराग नहीं लगा।पिता राजेश ने पांचवें दिन पुत्र की गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।

मायके जाने के लिए मना करने पर ससुरालियों ने की मारपीट

सौरिख कन्नौज। क्षेत्र के उदारा गांव निवासी विवाहिता ने बताया मेरे ससुरालियों ने मुझे वह मेरे भाइयों के साथ गाली गलौज व मारपीट की नादेमउ चौकी के अंतर्गत आने वाले गांव उदारा निवासी विवाहिता रानी देवी 24 फरवरी को अपने मायके अपने भतीजे के जन्मदिन पर जाने की जिद कर रही थी इसी बात पर पति दीपचंद्र ने पत्नी रानी के साथ मारपीट कर दी जिसकी सूचना उसने अपने मायके ठठिया थाना क्षेत्र के गांव पुरई पुरवा भाइयों राजेश अजीत को दी दूसरे दिन सुबह समझाने के लिए पहुंचे उसके भाइयों के साथ भी पति जेठ ब जेठ के पुत्रों ने गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया जिससे उक्त लोग गंभीर रूप से घायल हो विवाहिता ने प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई।

एडीएम ने यूक्रेन में उत्पन्न आपातकालीन परिस्थितियों के मद्देनजर जारी किए हेल्पलाइन नंबर

लखीमपुर खीरी। एडीएम संजय कुमार सिंह ने जनपद खीरी के समस्त नागरिकों को सूचित करते हुए बताया कि यूक्रेन में उत्पन्न आपातकालीन परिस्थितियों के दृष्टिगत यूक्रेन आने-जाने के लिए सभी कामर्शियल फ्लाइट बंद है। यूक्रेन का एयर स्पेस भी बंद है। भारतीय दूतावास, कीव, यूक्रेन में मौजूद सभी भारतीयों (भारतीय विद्यार्थियों व अन्य लोगो) को संभावित मदद पंहुचाने के लिए प्रयासरत है। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास, कीव, यूक्रेन द्वारा हेल्पलाइन संचालित किया जा रहा है। हेल्पलाइन नंबर- .91 11 23012113 .91 11 23014104, .91 11 23017905, कण्ट्रोल रूम-1800118797 (नई दिल्ली) ई0मेल आई0डी0-पजनंजपवदतववउ/उमं.हवअ.पद है। उत्तर प्रदेश के विद्यार्थीध्व्यक्ति, जो यूक्रेन में मौजूद है, उन्हें स्वदेश लौटने की कार्यवाही के लिए राज्य स्तर पर कण्ट्रोल रूम संचालित है, जिसका विवरण निम्नवत है:-राज्य कण्ट्रोल रूम का (24म7) टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर-0522-1070 मोबाइल नंबर-9454441081 ई0मेल आईडी- rahat/nic.in। उन्होंने बताया कि जनपद लखीमपुर खीरी के व्यक्तिध्विधार्थी जो यूक्रेन में फंसे है, उनके परिजन उनकी सूचना फोन नं.-05872-278100, 259985, 9454416588 पर नोट करा सकते है अथवा ई मेल आई डी-ddmalakhimpurkheri/gmail.com पर प्रेषित कर सकते है।

2 दिन पूर्व महिला के साथ हुई लूट का धौलाना पुलिस ने किया खुलासा

संवाददाता

हापुड़ । जनपद हापुड पुलिस द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाये जाने एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना धौलाना पुलिस ने 02 दिन पूर्व थानाक्षेत्र में हुई लूट का खुलासा करते हुए हुए 03 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार। आपको बता दें कि 22 फरवरी 2022 को थाना धौलाना पर महिला द्वारा सूचना दी गई कि मैं अपनी देवरानी के साथ सिरोधन बैंक से रुपए निकालकर घर जाने के लिए ई-रिक्शा में बैठी थी तभी एक लड़का आकर ई- रिक्शे में बैठ गया तथा कुछ दूरी पर जाकर उस लड़के ने मेरे बैग में रखे 60,000 हजार रुपए लूट कर अपने साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर फरार हो गया जिस के संबंध में तत्काल थाना धौलाना पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया।

क्त घटना का शीघ्र सफल अनावरण करते हुए थाना धौलाना पुलिस ने 3 लोगों को किया गिरफ्तार जिनके कब्जे से लूटी गई शत-प्रतिशत नकदी 60,000ध्- रूपये, अवैध असलहा एवं घटना कारित करने में प्रयुक्त बाइक बरामद।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

जलालाबाद, कनौज। लाभदायक डेयरी फार्मिंग एवं पशुधन प्रबंधन पर कृषकों में क्षमता वर्धन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत डेयरी फार्मिंग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण (24 फरवरी से 26 फरवरी 2022) की शुरूआत कृषि विज्ञान केन्द्र अनौगी, कन्नौज दिनांक 24 फरवरी 2022 को वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वीके कनौजिया की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया जिसमें पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर चंद्र केश राय, विनोद कुमार वैज्ञानिक सस्य विज्ञान, अमरेन्द्र यादव वैज्ञानिक कृषि मौसम विज्ञान, एवं जनपद के अलग-अलग ग्राम स्तर से स्थान से आए हुए कृषक संदीप कुमार राहुल सिंह एवं अन्य कृषक बंधु मौजूद रहे। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वी के कनौजिया ने बताया कि प्रति व्यक्ति जोत की आकार कम होता जा रहा है इसलिए पशुपालन एवं डेयरी फार्मिंग योजना के अंतर्गत किसान अपने आप को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने में यह प्रशिक्षण मददगार साबित होगा। प्रशिक्षण की प्रथम दिवस में डेयरी एवं पशुपालन से संबंधित विभिन्न घटकों के बारे में बताया गया । जिसमें यह बताया गया कि पशुओं के लिए अलग-अलग प्रकार के राशन होते हैं 1. जीवन निर्वाह राशन 2. उत्पादन राशन तथा 3.गर्भकाल राशन । जीवन निर्वाह राशन गाय के लिए 1.25 किलोग्राम दाना प्रति दिन तथा भैंस के लिए 2.0 किलोग्राम दूध पर 1 किलोग्राम दाना मिश्रण प्रति दिन के रूप में सुनिश्चित करना चाहिए। उत्पादन राशन के रूप में गाय के 3 लीटर दूध पर 1 किलो अतिरिक्त दाना तथा भैंस के लिए 2.5 लीटर दूध उत्पादन पर 1 किलो दाना प्रोडक्शन राशन के रूप में पशुओं को देना चाहिए। गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास हेतु गाय को एक किलोग्राम अतिरिक्त राशन तथा भैंस के लिए 1.25 किलोग्राम राशन देना चाहिए। पशु को दो तिहाई भाग मोटे चारे तथा एक तिहाई भाग दाना का मिश्रण देना चाहिए। डॉक्टर राय ने पशुपालन से उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर के बारे में विस्तृत जानकारी दिया, जिसे प्रशिक्षणार्थियों ने अपने लिए महत्वपूर्ण बताया।

पाँचवे चरण के प्रचार के आख़री दिन आज भाजपा, सपा बसपा, और कांग्रेस पार्टी ने रोड शो करके दिखाई ताकत

बाराबंकी। पाँचवे चरण के प्रचार के आख़री दिन आज सपा बसपा और भाजपा ने रोड शो करके दिखाई ताक़त। भाजपा से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राम कुमारी मौर्या के समर्थन में रोड शो किया तो वही बसपा प्रत्याशी ड़ा विवेक वर्मा ने अपने समर्थकों के साथ देवा बंकी और शहर में रोड शो करके दिखायी ताक़त ।

सपा से धर्मराज सिंह सुरेश यादव ने अपने समर्थकों के साथ पैदल रोड शो करके जनता से वोट माँगने की अपील की ।भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्री एवं भाजपा के स्टार प्रचारक अनुराग ठाकुर के रोड शो में जनसैलाब उमड़ पड़ा।

निर्धारित समय से करीब दो घण्टे देर से शुरू हुए रोड शो में लोगों का उत्साह देखते बनता था।व्यापारियों, समाजसेवियों एवं समर्थकों ने रथ पर पुष्प वर्षा भी की।डीजे पर थिरकते युवाओं और महिलाओं के उत्साह से गदगद अनुराग ठाकुर ने कहा कि रोड शो में उमड़ी भीड़ यह संकेत दे रही है कि बाराबंकी की सभी सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित है। कहा प्रदेश में उमंग और उत्साह का माहौल है।भाजपा इस चुनाव में फिर 300 से अधिक सीटें जीतकर प्रदेश में इतिहास रचने जा रही है।वहीं चुनाव प्रचार के आखिरी दिन बसपा प्रत्याशी एवं विजय लक्ष्मी आई हॉस्पिटल के निदेशक डॉ विवेक सिंह वर्मा जी ने क्षेत्र में रोड शो करके अपना शक्ति प्रदर्शन किया। रोड शो उनके चुनावी कार्यालय से शुरू होकर बंकी ब्लॉक, देवा ब्लॉक एवं शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पीरबटावन में समाप्त हुआ।

इस दौरान क्षेत्र के सम्मानित जनता, कार्यकर्ताओं के जनसैलाब ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर में डॉ विवेक सिंह वर्मा जी ने लोगों और अपने समर्थकों से कहा कि जैसे मैं आज यह चिला चिला कर बोल रहा हूं, वैसे ही राजनैतिक शक्ति मिलने के बाद लखनऊ में चिल्लाऊंगा।

उन्होंने अपना नारा विकास चाहिए तो विवेक से काम लीजिए के लिए बताया कि वह पिछले एक दशक से लोगों को दुनिया दिखाने का कार्य कर रहे हैं और अब समाज में विकास, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा के लिए कार्य करना चाहते हैं। इसके अलावा कांग्रेस प्रत्याशी रूही अरशद ने भी बाराबंकी सदर विधानसभा के बंकी टाउन के कई वार्डों में डोर टू डोर जनसम्पर्क किया। साथ ही, मंझलेपुर, महुआमऊ, दमोल, कादीपुर, पारा, मुजीबपुर, अटवटमऊ, मलूकपुर और मलकासाढ़न सहित दर्जनों ग्रामों में भी घर-घर जाकर जनसम्पर्क किया। इस दौरान सैकड़ों लोग कांग्रेस प्रत्याशी रूही अरशद के साथ कांग्रेस पार्टी जिन्दाबाद के नारे लगाते चलते नजर आये। रूही अरशद के जनसम्पर्क में लोगों का हुजूम उमड़ रहा है।

लीबिया के राजदूत ने किया शुआट्स का भ्रमण

विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों,शिक्षा स्टैण्डर्ड की सराहना

संवाददाता, प्रयागराज। भारत में लीबिया राज्य के राजदूत अहमद एचएम गेब्रील और महमूद ए.एम. एज्वेली, अकादमिक अटैची,लीबिया दूतावास ने शुक्रवार को सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय शुआट्स प्रयागराज का भ्रमण किया एवं कुलपति मोस्ट रेव्ह. प्रो. राजेन्द्र बी.लाल एवं अन्य उच्चाधिकारियों से मुलाकात की। कुलपति प्रो.राजेन्द्र बी.लाल ने गणमान्य व्यक्तियों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय (डीआईइटी) के अध्यक्ष प्रो.डॉ. एम.इम्तियाज ने अतिथियों को शॉल पहनाकर स्वागत किया। भ्रमण के दौरान निदेशक प्रशासन विनोद बी लाल, निदेशक डी.आई.इ.टी डॉ स्टीफन दास,निदेशक एफ्मीएम डॉ आशीष एस नोएल,निदेशक आईपीसी और डीन जैकब इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइंजीनियरिंग प्रो.डॉ. जोनाथन ए लाल,डीन पीजी स्टडीज डॉ. दीपक लाल,डीन प्रो. डॉ. गौतम घोष,डीन प्रो. डॉ. अर्पण शेरिंग, संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन) डॉ.सी जे वेस्ली,सहायक निदेशक डीआईइटी डोनाल्ड डेनिस, संपर्क अधिकारी मो. माजिद आदि उपस्थित रहे। इस दौरान एच.ई.अहमद एच.एम.गेब्रील ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण,शिक्षा मानकों एवं अनुसंधान उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक सुविधाओं की भी सराहना की और विश्वविद्यालय में लीबिया के छात्रों को प्रदान किए गए सहयोग व प्रोत्साहन के लिए कुलपति प्रो. राजेंद्र बी लाल का आभार व्यक्त किया। प्रो.डॉ.एम.इम्तियाज ने साझा किया कि 2007 से अब तक 350 लीबिया के छात्रों सहित 1500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने विश्वविद्यालय से विभिन्न यूजी,पीजी और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में स्नातक किया है और अंतर्राष्ट्रीय छात्र वर्तमान में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।शुआट्स और लीबिया के दूतावास के बीच संबंध 15 वर्ष से अधिक पुराना है।

विद्यालय प्रबंध समिति मास्टर ट्रेनर हेतु एक दिवसीय कार्यशाला

संवाददाता

हापुड़ । जनपद हापुड़ मे जन पहल माड्यूल पर आधारित विद्यालय प्रबंध समिति का प्रशिक्षण जनपद स्तर पर प्रत्येक विकास खंड से चार मास्टर ट्रेनर का एक दिवसीय गैर आवासीय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हापुड़ के सभागार में संपन्न हुआ । प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अर्चना गुप्ता ने दीप प्रज्वलन के साथ किया उन्होंने कहा कि विद्यालय के समस्त प्रशासनिक एवं वित्तीय फैसलों को एसएमसी बैठक में रखना आवश्यक है । समिति के अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित निर्णयों के आधार पर खर्च करना चाहिए साथ ही जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता अमित शर्मा ने कहा कि जन पहल कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमुख रूप से शासन की योजनाओं से विद्यालय प्रबंध समिति को अवगत कराना एवं उनके क्रियान्वयन में उनसे सहायता प्राप्त करना है राज्य स्तरीय संदर्भ दाता अजय कुमार ने कहा कि विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों का सहयोग अति आवश्यक है प्रधानाध्यापक और समिति के सदस्य मिलकर विद्यालय विकास योजना तैयार करें साथ ही विद्यालय परिसर के वातावरण को स्वच्छ बनाने में योगदान दें एवं राज्य स्तरीय संदर्भदाता मुकेश कुमार ने कहा शासन द्वारा चलाई जा रही। f

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के केंद्र बिंदु में रही भाजपा-न बसपा न कांग्रेस

किसानों नौजवानों बेरोजगारों के साथ-साथ पेंशनविहीनों को भी साधा

संवाददाता

अयोध्या। शुक्रवार को गोसाईगंज अभय सिंह व मिल्कीपुर विधानसभा के सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा की प्रदेश व केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने भाषण में बसपा और कांग्रेस का जिक्र तक भी नहीं किया। गृहमंत्री के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि बच्चों को नौकरी कैसे मिलेगी जब 12वीं के बाद इंटर की शिक्षा दी जाएगी। और उन्हें लैपटॉप व मोबाइल मिलेगा। किसानों नौजवानों बेरोजगारों और पेंशन से वंचितों को साधते हुए उन्होंने कहा कि सबको सपा सरकार बनने पर न्याय मिलेगा। गरीबों को 5 साल फ्री राशन, एक लीटर सरसों का तेल,एक लीटर घी,चीनी,मिट्टी का तेल, 1500 मासिक पेंशन दिया जाएगा, साथ ही बेटियों के 12वीं पास होने पर 36000 की मदद व प्राइमरी से लेकर एमए तक की निशुल्क शिक्षा दिया जाएगा।गरीबों के लिए समाजवादी कैंटीन चलाई जाएगी। किसानों को 7 बोरी खाद,साँड़ों से मृत्यु होने पर किसानों को पाँच लाख का मुआवजा तथा फसलों से सुरक्षा प्रदान की जाएगी।किसान जो रात को जाग जाग कर अपनी फसलों की रखवाली कर रहा है वह अपने घर में चौन की नींद सो सकेगा।शिक्षा एवं पुलिस विभाग में बड़ी भर्तियों समेत 11 लाख पदों को भरा जाएगा। टीईटी पास,शिक्षामित्र,अनुदेशक,बीपीएड डिग्री धारक समेत बड़ी संख्या में नौजवानों को सपा सरकार नौकरी देगी।गोरखपुर वाले बाबा को लैपटॉप चलाना नहीं आता। सपा सरकार ने लाखों की संख्या में छात्रों को लैपटॉप बांटा है। भाजपा के छोटे नेता छोटा झूठ बोलते हैं और बड़े नेता बड़ा झूठ बोलते हैं और सबसे बड़े नेता सफेद झूठ बोलते हैं

इनका कहना है कि हम 12वीं पास करने के बाद इंटरमीडिएट में एडमिशन लेने वाले छात्रों को लैपटॉप देंगे इससे ज्यादा सफेद झूठ क्या हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए कहा कि पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद की जीत प्रदेश में सबसे बड़ी जीत होने वाली है और आप विधायक नहीं मंत्री चुनने जा रहे हैं।जनसभा में मौजूद भीड़ से हाथ उठाकर अखिलेश यादव ने चुनाव जिताने की अपील किया। बसपा के पूर्व घोषित प्रत्याशी सूरज चौधरी एवं कांग्रेस की पूर्व घोषित प्रत्याशी नीलम कोरी व किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष घनश्याम त्रिपाठी एवं बसपा के पूर्व महासचिव दयानंद चौधरी,भाजपा नेता अनुराग तिवारी समेत सैकड़ों लोगों को पार्टी में शामिल कराया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जिला महासचिव बख्तियार खान ने पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद के पिछले सत्र के विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि इस बार पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद आपके आशीर्वाद से विधानसभा पहुंचेंगे और सपा सरकार बनने पर मिल्कीपुर को प्रदेश का दूसरा सैफई बनाने का काम करेंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता पृथ्वीराज यादव ने किया।जनसभा को प्रदेश सचिव बलराम मौर्य,राकेश चौरसिया,पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा,डॉक्टर अवधेश यादव,पूर्व आप लोकसभा प्रत्याशी मयूरी तिवारी,चौधरी महेंद्र सिंह,राजा मानसिंह आदि ने भी संबोधित किया।भारी भीड़ को देख पूर्व मंत्री अखिलेश यादव काफी गदगद नजर आए कहाकि आप लोगों के सहयोग से यहां के भाजपा प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाएगी।

मथुरा में सुसज्जित इलैक्ट्रिक बसों के संचालन से मिलेगी बड़ी राहत

ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष और नगर आयुक्त ने सवारी कर परखी व्यवस्थाए

संवाददाता, मथुरा। मथुरा-वृंदावन में संचालित इलैक्ट्रिक बसों के संचालन प्रक्रिया का गुरूवार को उ.प्र. बृज तीर्थ विकास परिषद् के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र और नगर निगम के आयुक्त अनुनय झा द्वारा बस में बैठकर निरीक्षण किया गया। उ.प्र. सरकार द्वारा मथुरा-वृंदावन के लिए 50 बसें स्वीकृत की गई है जिनमें 25 बस मथुरा आ चुकी है। बस संचालन के बारे मे नगर आयुक्त श्री झा ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल चार मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों से युक्त इलैक्ट्रिक बस चलाई जा रही है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बसों में आपातकालीन बटन भी लगा हुआ है, शीघ्र ही 25 बसों को एक दर्जन अलग-अलग मार्गों पर चलाया जायेगा। 25 अन्य बस जब आ जायेंगी तब उनको बरसाना गोवर्धन, बल्देव आदि तीर्थ स्थल रूट पर भी चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि सभी ड्राइवर परिचालक को चरित्र सत्यापन कराया गया। उ.प्र. परिवहन निगम के अधिकारी बस संचालन को गंभीरता से ले रहे है। हमारा उद्देश्य है कि मथुरा के सभी तीर्थ स्थलों की यात्रा श्रद्धालुओं को सस्ती दरों के साथ आरामदायक उपलब्ध कराई जाये। शासन की भी मंशा है कि देश विदेश से आने वाले यात्रियों के अलावा स्थानीय नागरिकों को भी बड़े शहरों की भांति परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाये। यात्रा के दौरान रोडवेज के एआरएम नरेश गुप्ता भी मौजूद रहे। बस श्रीकृष्ण जन्मस्थान से चलकर वृंदावन पहुंची।सफर के दौरान एआरएम नरेश चन्द गुप्ता ने बस की विशिष्टिया के सम्बन्ध में बताया कि ये वातानुकूलित लो-फ्लोर बस है इनमें विद्युत चलित तेज पिकअप है। गन्तव्य दर्शाने हेतु एलईडी लगी हुई है। सुरक्षा की दृष्टि से 05 कैमरे लगे है दिव्यांग यात्री के लिए रैम्प की सुविधा है। इसके अलावा ड्राइवर माइक से यात्रियों को जानकारी देगा। बस में 28 सीट की व्यवस्था है, जरा भी आवाज महसूस नहीं होगी। एक बार चार्ज होने के बाद 120 किमी बस चल सकेगी।45 मिनट में पुन: चार्ज की जा सकती है यात्री अपने मोबाइल फोन चार्ज भी कर सकते है। एआरएम श्री गुप्ता ने बताया कि 23 फरवरी तक 25 बसें प्राप्त हो गयी हैं जिनमें से 12 बसों को संचालित कराया जा रहा है। उक्त 12 बसों को वृन्दावन से राया, वृन्दावन से रिफायनरी, वृन्दावन-प्रेम मन्दिर-भूतेश्वर और वृन्दावन से जन्मभूमि तक अभी चलाया जा रहा है।

सिलाई मशीन दिलाने के नाम पर लोगों से कर रहे हैं अवैध उगाही : नरेश कुमार भाटी

लोगों को सिलाई मशीन दिलाने के नाम पर उनसे अवैध उगाही करने वाले लोगों के खिलाफ सभासदों ने ज्ञापन सौंपा

संवाददाता

हापुड़ । हापुड़ मे शुक्रवार को नगर पालिका परिषद हापुड़ के दर्जनों सभासद उपजिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचे। जहां उन्होंने वार्ड नंबर 10 के सभासद नरेश कुमार भाटी के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी कार्यालय मे पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। सभासद नरेश कुमार भाटी ने बताया हैं कि शहर के सभी वार्डों में सिलाई मशीन दिलाने के नाम पर शहर के लोगों से कुछ लोगों द्वारा अवैध उगाही की जा रही हैं। जिनमे शहर के जन सेवा केंद्र भी शामिल हैं। जहां कुछ लोग जिला उद्योग केंद्र की तरफसे लगाए गए हैं। इस अवैध उगाही से अधिकारियों और नगरपालिका परिषद के सभासदों को बदनाम करने काम किया जा रहा हैं। सभासद नरेश भाटी ने कहा हैं कि पिछले दिनों बुलंद शहर रोड स्थित जन सेवा केंद्र पर फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का मामला भी संज्ञान में आया हैं।

जिस कारण पालिका के सभासदों की छवि धूमिल हो रही हैं। सभासदों ने उपजिलाधिकारी से सिलाई मशीन दिलाने के नाम पर अवैध उगाही करने वाले लोगों और जन सुविधा केंद्रों पर आवश्यक कार्यवाही करने का अनुरोध किया हैं।

रेश कुमार भाटी ने कहा हैं कि शहर में लोगों से अवैध उगाही करने वाले लोगों और जन सुविधा केंद्रों पर लगाम कसी जाएं। जिससे लोगों के साथ कोई धोखाधड़ी और अवैध उगाही भविष्य में न हो। इस दौरान सभासद धर्मदत्त, यतीश कुमार,महेश चंद सैनी,दरवेश शर्मा, शलाउद्दीन ,सहित दर्जनों सभासद मौजूद रहे।

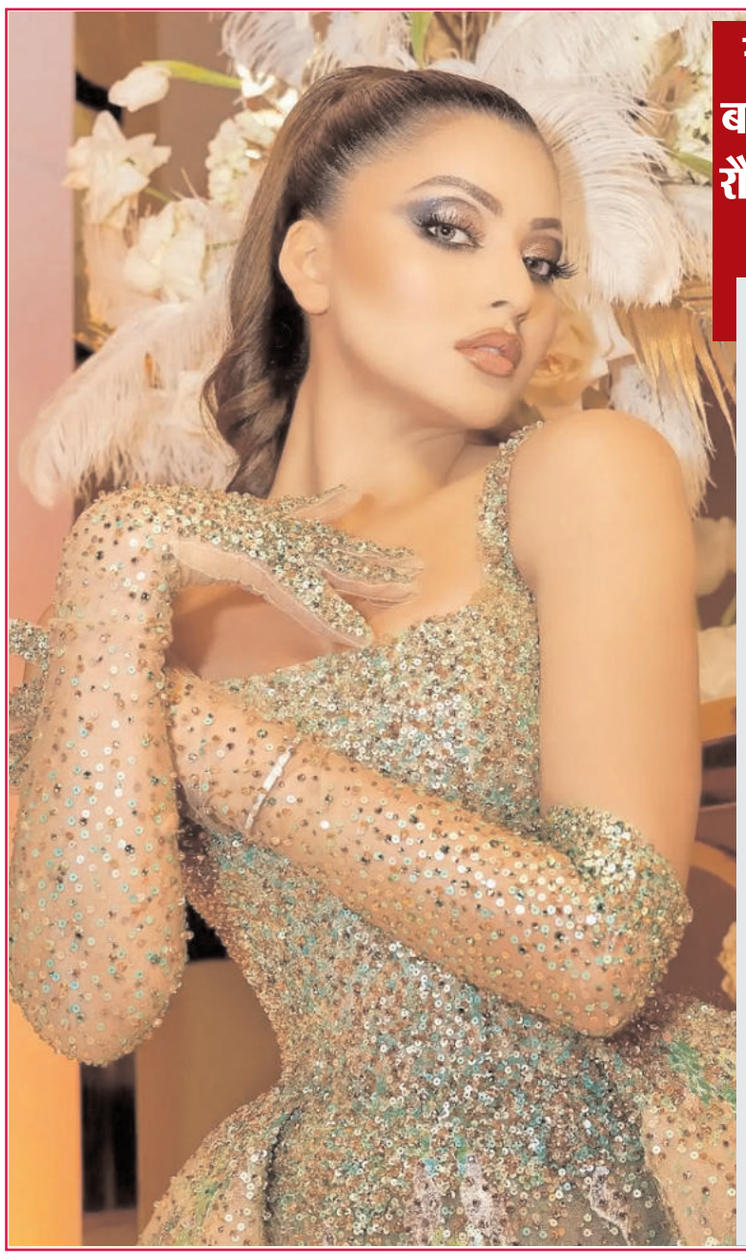

रूस-यूक्रेन युद्ध से बाल-बाल बचीं उर्वशी रौतेला, जंग के ऐलान से पहले छोड़ा देश

रूस व यूक्रेन के बीच घमासान जंग जारी है। दोनों देशों की सेनाएं मोर्चे पर डटी हैं। वहां से दिल दहला देने वाले वीडियोज और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आ रही हैं। हर तरफ लोगों में दहशत का माहौल है। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की जान बाल-बाल बची। अगर वो सही समय पर सही कदम नहीं उठातीं तो वो भी इस युद्ध की चपेट में आ जातीं।

दरअसल, 2 दिन पहले तक उर्वशी रौतेला यूक्रेन में अपनी फिल्म की शूटिंग कर रहीं थीं। वहां से उन्होंने एक वीडियो भी फैंस के साथ शेयर किया था। हालांकि, जंग के ऐलान से पहले ही एक्ट्रेस वहां से निकल आई थीं। 25 फरवरी को अपने बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए उर्वशी परिवार के साथ मालदीव पहुंच गईं।

ये उर्वशी रौतेला की किस्मत ही थी जो वह इस युद्ध में फंसने से पहले ही वहां से निकल गई।एक्ट्रेस के यूक्रेन से निकल आने की खबर जानकर फैंस ने राहत की सांस ली है।

बता दें, उर्वशी अपनी अपकमिंग फिल्म द लेजेंड की शूटिंग के लिए यूक्रेन गई थीं। इस फिल्म से एक्ट्रेस तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगी।

BFF अनन्या-शनाया संग सुहाना खान की मस्ती, मलाइका बोलीं- बेबी डॉल्स अब बड़ी हो गईं

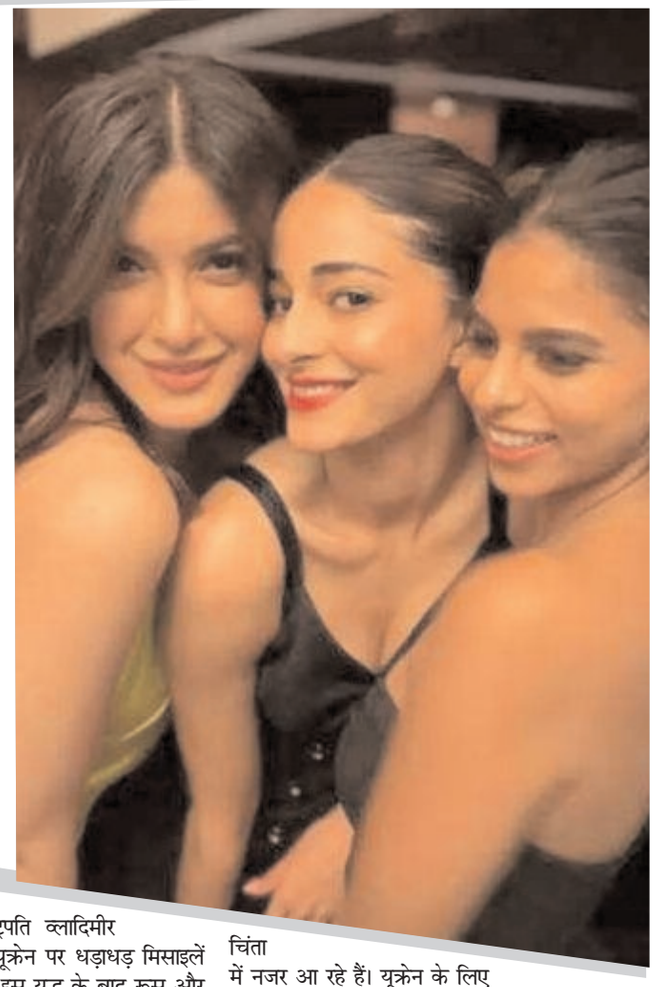

बी-टाउन स्टार्स की तरह उनके बच्चे भी काफी लाइमलाइट में रहते हैं। चाहे किसी स्टार किड का बॉलीवुड डेब्यू हो या नहीं लेकिन लोग हमेशा ही उनके बारे में जानने के लिए एक्साइटिड रहते हैं। यही वजह है कि कई स्टार किड्स के डेब्यू से पहले ही काफी फैन फॉलोइंग हैं। बी-टाउन में कई ऐसे स्टार किड्स भी हैं जिनकी दोस्ती के भी काफी चर्चे हैं। इस लिस्ट में शाहरुख खान की लाडली सुहाना, चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे और संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर का नाम शामिल है। इन तीनों को अक्सर पार्टी करते देखा जाता है।

हाल ही में अनन्या, सुहाना और शनाया एक छत के नीचे नजर आईं। मौका था फरहान अख्तर-शिबानी दांडेकर की पार्टी का जो फिल्मेकर रितेश सिधवानी ने रखी थी। इस पार्टी में मलाइका अरोड़ा से लेकर करीना कपूर, करिश्मा कपूर, रिया चक्रवर्ती, गौरी खान, दीपिका पादुकोण, अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी, सुहाना खान, गौरी खान और शाहरुख के बेटे आर्यन खान तक शामिल हुए। हाल ही में मलाइका ने पार्टी से सुहाना,अनन्या और शनाया की तस्वीर शेयर की है।

लुक की बात करें तो सुहाना और अनन्या ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं जबकि शनाया लेमन यलो गाउन में काफी क्यूट दिख रही हैं। इन तस्वीरों में ये तिकड़ी ठीक वैसी ही दिख रही है जैसी ये अपनी बचपन की तस्वीरों में नजर आया करती थीं। तस्वीर के साथ मलाइका ने लिखा- सभी बेबी डॉल्स अब बड़ी हो गईं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या ने जहां स्टूडेंट ऑफ इयर से बॉलीवुड में एंट्री मार ली है। वहीं शनाया भी धर्मा प्रोडक्शन से बड़े पर्दे पर एंट्री मारने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

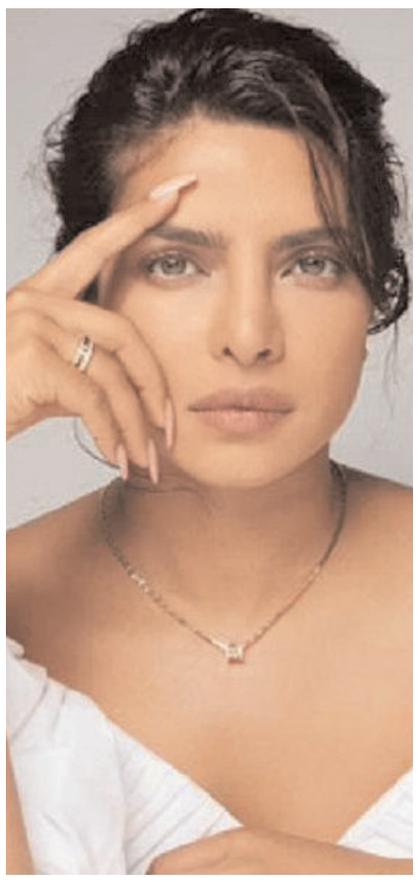

आंखो में आंसू...दहशत का माहौल...

प्रियंका चोपड़ा ने शेयर किया यूक्रेन के लोगों का दिल दहला देने वाला वीडियो, बोलीं- स्थिति बहुत डरावनी है

बॉलीवुड तड़का टीम. रूस ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश के बाद यूक्रेन पर धड़ाधड़ मिसाइलें बरसाकर हमला कर दिया। इस युद्ध के बाद रूस और यूक्रेन के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। लोगों में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल है। वहां फंसे लोगों के लिए हर कोई चिंता में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने चिंता में नजर आ रहे हैं। यूक्रेन के लिए चिंता जाहिर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, यूक्रेन में अभी जो स्थिति है वह बहुत डरावनी है। मासूम और निर्दोष लोग अपनी और अपने प्रियजनों की जिंदगी के लिए डर के साए में जी रहे हैं। वो भविष्य की अनिश्चितता को भांपने की कोशिश कर रहे हैं। यह समझना मुश्किल है कि आज की इस मॉडर्न दुनिया में इतनी भयावह और डरावनी स्थिति कैसे पैदा हो सकती है? इस वॉर जोन में जो मासूम लोग रह रहे हैं, वो आपकी और मेरी तरह हैं। यूक्रेन के लोगों की आगे कैसे मदद करें, इस बारे में सारी जानकारी मेरे बायो लिंक में है।प्रियंका चोपड़ा के इस पोस्ट पर लोगों के खूब रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- प्लीज हमें बचा लीजिए। इस मेसेज को भारतीय दूतावास तक पहुंचा दीजिए। एक अन्य यूजर ने लिखा है, दुनिया को आगे आने और इस पागलपन को रोकने की जरूरत है।

> एक यूजर ने लिखा- प्लीज हमें बचा लीजिए। इस मेसेज को भारतीय दूतावास तक पहुंचा दीजिए। एक अन्य यूजर ने लिखा है, दुनिया को आगे आने और इस पागलपन को रोकने की जरूरत है।

यूक्रेन पर हमले का एक वीडियो शेयर कर लोगों की चिंता जताई है।

प्रियंका चोपड़ा ने यूक्रेन पर हमले का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसे देख हर किसी का दिल दहल रहा है। वीडियो में लोग काफी दहशत और

व्हाइट लहंगे में श्रद्धा कपूर का गॉर्जियस फोटोशूट, सूर्य की किरणें पड़ने से और निखरा एक्ट्रेस का चेहरा

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने लहंगा लुक में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब देखी जा रही हैं।

लुक की बात करें तो श्रद्धा लहंगे में नजर आ रही है। इसके साथ एक्ट्रेस ने लंबे झूमके पहने हुए हैं। लाइट मेकअप और पोनी से एक्ट्रेस ने अपनी लुक को कम्पलीट किया हुआ है।

इस लुक में एक्ट्रेस गॉर्जियस लग रही है। सूर्य की किरणें एक्ट्रेस पर पड़ रही है। श्रद्धा की इन तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया है। फैंस इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं।

काम की बात करें तो श्रद्धा को आखिरी बार फिल्म बागी 3 में देखा गया था। इसमें एक्ट्रेस टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थी। अब एक्ट्रेस बहुत जल्द डायरेक्टर लव रंजन की अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएगी।

बेवफा तेरा मासूम चेहरा..भूल जाने के काबिल नहीं है राखी सावंत को सता रही है पति रितेश की याद

ड्रामा क्वीन राखी सावंत इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। राखी सावंत हाल ही में पति रितेश से अलग हो गई लेकिन वह अभी भी उन्हें भूल नहीं पाई हैं। यही वजह है कि उन्हें रितेश की तस्वीरों की वीडियो बनाकर अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर की है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में जुबिन नौटियाल का बेवफा तेरा मासूम चेहरा बज रहा है।

इस वीडियो के साथ राखी ने तो कोई कैप्शन नहीं दिया है लेकिन फैंस तरह तरह से पोस्ट कर रहे हैं और अलग अलग मतलब भी निकाल रहे हैं। एक फैन ने चुटकी ली, कहा- ये आपका पति था ही नहीं कभी झूठी। वहीं एक यूजर ने सवाल किया -अफसाना की शादी में राखी इतना क्यों खुश नजर आ रही थीं फिर। अब पति याद आ गया है। लगता है कि राखी ने ही अपने पति को छोड़ा है। ये एक नंबर की ड्रामे बाज है। सॉरी राखी आप के ऊपर जल्दी से विश्वास नहीं होता है।

रितेश उस वक्त चर्चा में आए थे जब 2020 में राखी ने कहा था कि उन्होंने रितेश नाम के एक शख्स से शादी कर ली है। हालांकि तब तक रितेश का चेहरा किसी के सामने नहीं आया था। लेकिन 2021 में जब राखी ने बिग बॉस 15 में रितेश के साथ एंट्री की तो सबको यकीन हो गया कि रितेश और राखी पति-पत्नी हैं लेकिन शो खत्म होने के कुछ समय बाद ही दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली।

वजन घटाने के बाद अंशुला ने शेयर की मिरर सेल्फी, अर्जुन कपूर की बहन का ट्रांसफॉर्मेशन देख हैरान हुए फैंस

मुंबई। एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर का वजन काफी बढ़ा हुआ था। अब अंशुला ने अपना वजन काफी कम कर लिया है, जिसके बाद उन्होंने अपनी मिरर सेल्फी शेयर की है, जिसमें अंशुला काफी पतली लग रही है। अर्जुन की बहन का ट्रांसफॉर्मेशन देख फैंस काफी हैरान हैं।

तस्वीर में अंशुला ग्रीन टी-शर्ट और ग्रे ट्राउजर में नजर आ रही है। अंशुला ने बालों को खुला छोड़ा हुआ है और सेल्फी लेती हुई दिखाई दे रही है। तस्वीर शेयर करते हुए अंशुला ने लिखा- अपना मेकअप उतारो, बालों को नीचे आने दो। एक सांस लेते हुए आईने में खुद को देखो,क्योंकि मैं तुम्हें पसंद करती हूं। फैंस इस तस्वीरों को काफी लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं। अंशुला के इस ट्रांसफॉर्मेशन ने सबको हैरान कर दिया है।

बता दें अंशुला कपूर, बोनी कपूर और उनकी पत्नी पहली पत्नी मोना शौरी कपूर की बेटी हैं।बोनी कपूर ने दूसरी शादी श्रीदेवी से की थी। अंशुला की मां की मौत साल 2012 में हो गई थी। अंशुला पढ़ाई-लिखाई में होशियार थी। उन्होंने न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से ग्रैजुएशन किया है। उन्होंने कई बड़ी कंपनियो में काम किया है।अंशुला की पूरी फैमली फिल्म इंडस्ट्री में काम करती हैं मगर वह ग्लैमर वर्ल्ड की चकाचौंध से दूर ही रहती हैं।

शॉर्ट ड्रेस के साथ ब्लेजर पहन घर से निकलीं शिल्पा शेट्टी, सैलून के बाहर मिसेज कुंद्रा ने दिखाया स्वैग

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा बी-टाउन की उन हसीनाओं में से हैं जो अपनी फिटनेस के वजह से खबरों में रहती हैं। शिल्पा की फिटनेस देख कोई अंदाज नहीं लगा सकता कि वह 2 बच्चों की मां हैं। फिटनेस के अलानना उनका लुक्स भी हमेशा चर्चा में रहता है।

शिल्पा हर आउटफिट को कॉन्फिडेंस से कैरी करती हैं। यही वजह से है कि लड़कियां उन्हें फैशन दिवा कहती हैं। हाल ही में शिल्पा को सैलून के बाहर देखा गया। इस दौरान शिल्पा ब्लू शॉर्ट ड्रेस में दिखीं।

इस ड्रेस के साथ उन्होंने ब्लेजर कैरी किया जो उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना रहा था। इसके साथ न्यूड मेकअप, खुले बाल और शेड्स उनके लुक को कम्पलीट कर रहे हैं।इस लुक में शिल्पा काफी अच्छी लग रही हैं।

हर बार की तरह एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए मीडिया कैमरा को पोज दिए। इन लेटेस्ट तस्वीरों में शिल्पा की फिटनेस की देखते बन रही है। शिल्पा की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

काम की बात करें तो शिल्पा इन दिनों इंडियाज गॉट टैलेंट में नजर आ रही हैं। अपकमिंग प्रोजैक्ट की बात करें तो शिल्पा अपना नया चैट शो लेकर आ रही हैं।

इस शो की पहली गेस्ट बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल होंगी। इसके अलावा शिल्पा जल्द ही फिल्म निकम्मा में नजर आएंगी। फिल्म में शिल्पा राइटर का किरदार प्ले करेंगी।

आध्यात्मिक गुरु 'सद्गुरु' का आशीर्वाद लेने पहुंची मौनी रॉय, रेड साड़ी और मांग में सिंदूर सजाए प्यारी लगी MRS. NAMBIAR

एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों पति सूरज नांबियर संग अपनी मैरिड लाइफ एंजॉय कर रही हैं। शादी की रस्मों से फ्री होकर और काम से ब्रेक लेकर मौनी हाल ही में पति सूरज संग आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु से मिलने पहुंचीं। इस दौरान की तस्वीरें मौनी ने इंस्टा पर शेयर की हैं। मौनी और सूरज से सद्गुरू से खुशहाल जीवन के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस दौरान मौनी और सूरज रेड कलरके आउटफिट में ट्विनिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। सूरज ने जहां लाल कलर का कुर्ता पहना है। वहीं मौनी रेड साड़ी में काफी खूबसूरत लग रही हैं। मिनिमल मेकअप, हाथों में चूड़ा और मांग में सिंदूर सजाए मौनी बेहद प्यारी लग रही हैं।

एक तस्वीर में मौनी और सूरज सद्गुरू के चरणों के पास बैठ दिख रहे हैं। तस्वीर में मौनी गुरु की गोद में सिर रखे उनसे आशीर्वाद ले रही हैं। वहीं सूरज बैठे हैं।

कुछ तस्वीरों में मौनी गुरू जी से बात करती दिख रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

मौनी रॉय भगवान शिव में काफी आस्था रखती हैं और काफी आध्यात्मिक भी हैं। मौनी ने हाल ही में अपने पति के साथ मिलकर एक एजुकेशन वेबसाइट में भी पैसा लगाया है।

काम की बात करें तो वह जल्द ही डांस रियलिटी शो डांस इंडिया लिटिल मास्टर्स को जज करती दिखेंगी जिसमें उनके साथ रेमो डिसूजा और सोनाली बेंद्रे भी जज पैनल में शामिल हैं। इसके अलावा मौनी आलिया भट्ट,रणबीर के साथ ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगी।

'राधे श्याम' से अरमान और अमल मलिक की आवाज़ में 'जान है मेरी' हुआ रिलीज

राधे श्याम ने अपने लाजवाब ट्रेलर से दर्शकों के दिल में अपनी जगह बना ली है और अब निर्माता एल्बम के एक नए गाने के साथ कहानी को आगे ले जाने के लिए तैयार हैं।

प्रभास और पूजा हेगड़े अभिनीत राधे श्याम एक लव सिनेमैटिक वंडर है जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म ने पहले ही अपने जादुई ट्रेलर के साथ हवा में प्यार की भावना जगा दी है। वही, दर्शकों ने आशिकी आ गई गाने में प्रभास और पूजा की सिजलिंग केमिस्ट्री पहले ही देख ली है जिसने प्रत्येक व्यक्ति में प्रेम की भावना बढ़ा दी है।

प्राकृतिक सुंदरता और उम्दा विसुअल इफेक्ट्स ने इस पीढ़ी की प्रेम कहानी के लिए एक नया स्टैण्डर्ड स्थापित कर दिया है। और प्यार के इस सफ़र को आगे बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने बीते दिन नए सॉन्ग जान है मेरी का टीज़र जारी किया था और आज उन्होंने गाना रिलीज़ कर दिया है। यह गाना प्रभास और पूजा के बीच दिल को छू लेने वाली केमिस्ट्री की झलक देता है। सड़क पर उनके कंधों को एक-दूसरे से टकराते हुए दिखाते हुए, गाने में इनिशियल स्टेज में लव बॉन्डिंग देखने मिल रही है। प्यार का डिवाइन सिम्बल मानी जाने वाली बारिश ने गीत की धुन को जगाने में एक विशेष भूमिका निभाई है। यही नहीं, प्रभास की नशीली आंखों में अपार प्यार भरा है जो आपको भी उनके प्यार का दीवाना बना देगी।

गाने को अरमान मलिक ने खूबसूरती से गाया है, जबकि गाने के बोल रश्मि विराग ने लिखे हैं। गाने का संगीत अमाल मलिक ने निर्देशित किया है।

यूवी क्रिएशंस प्रोडक्शन की फ़िल्म राधे श्याम गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत है। राधा कृष्ण कुमार द्वारा निर्देशित और कोटागिरी वेंकटेश्वर राव द्वारा एडिट है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, वामसी और प्रमोद ने किया है और यह फिल्म 11 मार्च, 2022 में रिलीज़ होगी।

पीआरवी कोतवाली महोबा 1255 द्वारा लावरिस घूम रहे बच्चे को परिजनों से मिलवाया

संवाददाता, महोबा । पुलिस अधीक्षक महोबा श्रीमती सुधा सिंह के निर्देशन पर जनपदीय पुलिसध्112 पीआरवी टीम द्वारा लगातार सराहनीय कार्य किये जा रहे हैं, इसी क्रम में दिनांक 24.02.2022 को पीआरवी कोतवाली महोबा 1255 को कालर ने बताया कि एक 3-4 वर्ष का लावारिस बच्चा रोता हुआ घूम रहा है कृपया मदद करें ।

उक्त सूचना पर पीआरवी कोतवाली महोबा 1255 द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर देखा गया कि एक करीब 03 वर्षीय बालक वीजा नगर रोड पर लावारिस हालत में रोता हुआ घूम रहा है जो कुछ बता नहीं पा रहा था जिसे पीआरवी कर्मियों ने शांत कराते हुए बच्चे को साथ में लेकर आसपास उसके परिजनों की खोज शुरू कर दी काफी प्रयास के बाद ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि वह कल्याण सागर मोहल्ला का है। कल्याण सागर मोहल्ले में जाकर जानकारी करने पर बच्चे के परिजन उसकी खोजबीन में परेशान थे।

पीआरवी कर्मियों द्वारा बच्चे की पहचान कराकर बच्चे को सकुशल उसकी माता जय देवी पत्नी सुनील अहिरवार को सुपुर्द किया गया । उत्तर प्रदेश पुलिस की इस कार्य शैली व मैत्री पूर्ण व्यवहार का बालक के परिजनों द्वारा कोटि कोटि धन्यबाद किया गया

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कंट्रोल रूम का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता, प्रयागराज। जिला निर्वाचन अधिकारी ने शिकायतों को समयावधि के अन्तर्गत निस्तारित करने के दिए निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने संगम सभागार के ऊपर स्थित नियंत्रण कक्ष कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने आ रही शिकायतों के रजिस्टर को चेक किया तथा निस्तारण को समयावधि के अन्तर्गत करने के निर्देश दिये।

तत्क्रम में उन्होंने एम.सी.एम.सी. कमेटी द्वारा स्थापित टीवी चौनलों पर दर्ज की जा रही न्यूज आदि रजिस्टर को देखते हुए सम्बंधित को निर्देशित किया कि न्यूज चौनलों पर सूक्ष्मता पर नजर रखी जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व जगदम्बा सिंह सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मोबाइल फोन को पोलिंग बूथों के अंदर ले जाना पूर्णत: वर्जित रहेगा : जिला निर्वाचन अधिकारी

संवाददाता, प्रयागराज। आगामी विधानसभा चुनाव को सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के लिए शुक्रवार को पुलिस लाइन में एडीजी जोन प्रेमप्रकाश,आई.जी. राकेश सिंह,जिलाधिकारी,जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के द्वारा चुनाव ड्यूटी में लगाये गये पुलिस अधिकारियों को ब्रीफिंग किया जिसमें एडीजी जोन ने अपने सम्बोधन में कहां कि चुनाव की तैयारी पहले से ही की जा रही है तथा काफी संख्या में लोगो को चिन्हित भी किया गया है। आप लोग भी ध्यान देंगे कि कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से चुनाव कार्यों में बाधा न पहुंचाए तथा सभी के साथ अच्छा बर्ताव किया जाये। कहीं भी कोई अवैध शराब आदि बिक्री न किया जाये। आईजी जोन डाक्टर राकेश सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रत्येक चीजों पर सूक्ष्मता पूर्वक नजर रखनी चाहिए तथा किसी भी चुनाव को चुनौती पूर्वक मानकर करना चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारी योजना एवं प्रशिक्षण बेहतर होना चाहिए।

मतदान के दिन ही मिट गयी निर्वाचन आयोग की अमिट स्याही

- एक दिन भी नही टिक पायी निर्वाचन आयोग की अमिट स्याही
- निष्पक्ष मतदान की प्रक्रिया पर सवाल है अमिट स्याही का छूट जाना

कुलदीप त्यागी

लखनऊ। लोकतांत्रिक चुनावों में दोबारा वोट डालने की धोखाधड़ी को रोकने के लिये वोट डालने के बाद मतदाता के बॉये हाथ की उँगली पर अमिट स्याही का निशान लगा दिया जाता है। जो कई सप्ताह तक नहीं छूटता है। यह अमिट स्याही निर्वाचन आयोग ही उपलब्ध कराता है। राजधानी लखनऊ में चौथे चरण के मतदान में ऐसा एक मामला सामने आया है जिसमे कई मतदाताओं की अमिट स्याही अपने आप उसी दिन साफ हो गयी। 174 मध्य विधान सभा क्षेत्र लखनऊ में ऐशबाग मालवीय नगर स्थित प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या दो में कई लोगों को मतदान की निशानी लगायी गयी। परन्तु शाम होते-होते अपने आप ही साफ हो गयी।

सामान्य घटना नहीं है स्याही का छूटना-

फोटो न छापने की शर्त पर मालवीय नगर निवासी सोनल बिन्द्रा ने बताया कि वे अपने पति अमित बिन्द्रा व ससुर सतीश बिन्द्रा के साथ मालवीय नगर के प्राथमिक विद्यालय में मतदान करने गयी थी। उन्होनें बताया कि शाम को ही सभी लोगों की उँगली से निशान गायब हो चुके थे। वही पड़ोस मे रहने वाली नीलम ने भी उसी बूथ में मतदान किया था, उनका निशान भी गायब हो चुका था। ऐसा कई और लोगों के साथ भी हुआ। लोगों के अनुसार यह एक असाधारण घटना है। निर्वाचन में ऐसा नहीं होना चाहिये। यदि लोगों को पहले पता चल जाता तो वे निशान मिटाकर दोबारा वोट देने आ जाते। इससे निष्पक्ष मतदान की प्रक्रिया पर सवाल भी खड़े हो जाते।

कई सप्ताह तक रहता है अमिट स्याही का निशान-

सामान्य निर्वाचनों में दोबारा वोट डालने की धोखाधड़ी को रोकने के लिये अमिट स्याही को निर्वाचन आयोग ही उपलब्ध कराता है। इसका मुख्य घटक रसायन सिल्वर नाइटेऊट होता है। जो रोशनी से प्रतिक्रिया करके एक अमिट निशान बना देता है। यह निशान कई सप्ताह तक नहीं छूटता है। बताते चले कि मतदान की स्याही का निर्माण पूरे भारत में केवल कर्नाटक स्थित मैसूर पेण्ट एण्ड वार्निश के द्वारा ही किया जाता है। साउथ अफ्रीका सहित विश्व के कई देशों में इस स्याही का निर्यात किया जाता है। अमिट स्याही के निशान के इस तरह साफ होने की घटना असाधारण है। सरकार सहित निर्वाचन आयोग को इस पर गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिये। साथ ही आगे के चरणों के चुनावों में अमिट स्याही की पूरी तरह से जॉच कर मतदान केन्द्रों को दी जानी चाहिये।

पेशे से शिक्षक और शास्त्रीय गायिका ने दुनिया के सामने पेश किया उदाहरण

लखनऊ। सुश्री सीतालक्ष्मी, दुनिया की पहली स्तन कैंसर रोगी हैं, जो हॉस्पिटल की सर्जरी टेबल पर उस वक्त संगीत सुन रहीं थी और गाना गा रही थीं, जब चेन्नई के अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर में डॉक्टर उनकी सर्जरी कर रहे थे। के रूप में रिपोर्ट की गईं। अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर, दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व में पहला और एकमात्र प्रोटॉन थेरेपी सेंटर ने मेटास्टेटिक स्तन कैंसर के रोगी के लिए एक उपशामक मास्टेक्टॉमी का प्रदर्शन किया, जब रोगी गा रहा था। अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर के सर्जन ने कहा कि यह दुनिया भर में पहली बार है, एक मरीज व्यापक फेफड़ों के मेटास्टेस और उसकी चिंता पर काबू पाने के बावजूद, स्तन कैंसर की सर्जरी के दौरान जाग रहा था और गा रहा था। चेन्नई की एक शास्त्रीय गायिका और शिक्षिका श्रीमती सीतालक्ष्मी ने उन्नत स्तन कैंसर का निदान किया, कुछ महीने पहले अपोलो प्रोटॉन कैंसर केंद्र में स्तन ऑन्कोलॉजी विभाग में चली गईं। उस समय, वह एक पूरा वाक्य बोलने में असमर्थ थी, गाने की तो बात ही छोड़ दें, क्योंकि कैंसर उसके पूरे शरीर में फैल चुका था, और मुख्यत: उसके फेफड़ों तक। कीमोथेरेपी और लक्षित चिकित्सा के कुछ चक्रों के बाद उसने नाटकीय रूप से सुधार किया, इतना अधिक कि वह न केवल वह वापस पाने में सक्षम थी जिसे वह सबसे अच्छा करना पसंद करती थी, यानी गाती थी, बल्कि अपने छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं भी फिर से शुरू करती थी। जबकि बहु-विषयक टीम एक अल्सरयुक्त स्तन ट्यूमर के लिए उपशामक मास्टेक्टॉमी की सहमति पर पहुंचीय उसके इलाज करने वाले सर्जन और एनेस्थेटिस्ट को एक और चुनौती का सामना करना पड़ा। फेफड़े के मेटास्टेसिस ने फेफड़े के ऊतकों को व्यापक क्षति, न्यूमोथोरैक्स (फेफड़े के बाहर हवा को बंद करना), और दोनों फेफड़ों के आधारों में द्रव संग्रह का कारण बना दिया था, जिससे वह सामान्य संज्ञाहरण के लिए अनुपयुक्त हो गई थी, सर्जरी से गुजरने में रोगी की चिंता को नहीं भूलना था। श्रीमती सीतालक्ष्मी के लिए सामान्य संज्ञाहरण के तहत शल्य प्रक्रिया करना अत्यधिक जोखिम से भरा था, और कई दिनों तक वेंटिलेटर और आईसीयू देखभाल की आवश्यकता हो सकती है। ऐसी जटिलताओं से बचने के लिए, डॉ मंजुला राव, सलाहकार ऑन्कोप्लास्टिक स्तन सर्जन, और डॉ डी इंदुमति, सलाहकार, एनेस्थिसियोलॉजी ने अन्य विकल्पों पर विचार करने का निर्णय लिया। डॉक्टरों द्वारा रोगी को तीन अलग-अलग दौरों पर व्यापक परामर्श दिया गया, उसके लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों और प्रत्येक तकनीक के पेशेवरों और विपक्षों के बारे में। अपने आउटपुट के आधार पर, डॉ मंजुला राव और डॉ इंदुमति ने एपिड्यूरल एनेस्थीसिया के तहत सर्जरी करने के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया, जिसमें एनेस्थेटिक को एक छोटे कैथेटर में डिलीवरी करना शामिल है जिसे एपिड्यूरल स्पेस के अंदर रखा जाता है, जो रीढ़ की हड्डी के बाहर होता है। रस्सी। उसके अनुरोध पर, उन्होंने सर्जरी के दौरान उसकी चिंता को कम करने के लिए उसे हल्का बेहोश करने की दवा देने का भी फैसला किया।

रूस-यूक्रेन युद्ध भारत के व्यापार को प्रभावित करेगा

संवाददाता

लखनऊ। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है, खास तौर पर तब जब भारतीय बाजार कोविड महामारी से उभरने का प्रयास कर रहा था।युद्ध के कारण कच्चे तेल में अपेक्षित वृद्धि महंगाई को बढ़ावा देगा,जबकि सोने की कीमतों में अपेक्षित वृद्धि भी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का कारण बनेगी। दूसरी ओर, इस मौजूदा परिस्थितियों के परिदृश्य में, रुपया कमजोर होने की उम्मीद है जो निश्चित रूप से भारत के व्यापार संतुलन को प्रभावित करेगा कैट के प्रदेश चेयरमैन एवं उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध से उत्पन्न वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करते हुए कहा कि चालू वर्ष में, भारत का कुल तेल आयात 25.8 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जिससे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई। थोक मूल्य सूचकांक में कच्चे तेल और संबद्ध उत्पादों की हिस्सेदारी 9: है। कच्चे तेल में वृद्धि से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में और मुद्रास्फीति बढ़ेगी जिससे समग्र रूप से सभी वस्तुओं के दाम में वृद्धि होने की आशंका है ।माल की विनिर्माण और परिवहन लागत अधिक महंगी हो जाएगी। कच्चे तेल का इस्तेमाल , प्लास्टिक, फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी, पेंट और कई अन्य वस्तुओं आदि के निर्माण में किया जाता है जो कीमतों को और बढ़ाने का कारक बनेगा। कच्चे तेल के अलावा, भारत दवा कच्चे माल, सूरजमुखी, जैविक रसायन, प्लास्टिक, लोहा और इस्पात आदि का यूक्रेन से आयात करता है जबकि भारत फल, चाय, कॉफी, दवा उत्पाद, मसाले, तिलहन, मशीनरी और मशीनरी सामान आदि का निर्यात करता है।

दूसरी ओर, रूस भारत के साथ व्यापार में 25 वां सबसे बड़ा भागीदार है, रूस को 2.5 बिलियन डॉलर का निर्यात किया जाता है और रूस से 6.9 बिलियन डॉलर का आयात करता है व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा कि भारत के व्यापारी सामान्य तौर पर यूक्रेन के आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम भुगतान करते है, जो अब अनिश्चितकालीन के लिए फंसने की उम्मीद है ।यूक्रेन से आने वाले शिपमेंट यदि फंस जाते हैं तो होना चाहिए निश्चित रूप से इसका भारतीय व्यापारियों को नुकसान होगा। . डॉलर की कीमतों में अपेक्षित वृद्धि अन्य देशों के साथ व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी क्योंकि भारतीय व्यापारियों को शिपमेंट के समय प्रचलित कीमत का भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाएगा। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी घरेलू बाजार को और प्रभावित करेगी। भारत का समग्र व्यापार भविष्य में अस्थिर होने की उम्मीद है। देश का व्यापारिक समुदाय मौजूदा संकट के समय मे सरकार के साथ एकजुटता से खड़ा है और देश में वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले किसी भी कदम का समर्थन करेगा।

कैट एवं उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने केंद्र सरकार से रूस और यूक्रेन के बीच मौजूदा युद्ध पर नजर रखते हुए देश में व्यापार और वाणिज्य के लिए कुछ सहायक उपायों की घोषणा करने का आग्रह किया है।

बीकेटी पुलिस ने दो शातिर मोबाइल चोर को किया गिरफ्तार

रवि शंकर तिवारी

बक्शी का तालाब, लखनऊ। पुलिस अधीक्षक लखनऊ ग्रामीण ह्रदेश कुमार के कुशल निर्देशन में अपराध व अपराधियों के रोकथाम हेतु चलायें जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक लखनऊ ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी बीकेटी नवीना शुक्ला के पर्यवेक्षण में बीकेटी थाना प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राना के नेतृत्व में बीकेटी पुलिस द्वारा दो अभियुक्त को 12 चोरी के फोन के साथ गिरफ्तार किया गया। बता दें कि बृहस्पतिवार को थाना बीकेटी के उ0नि0हरिदास चौरसिया व उ0नि0सुनील कुमार व हमराह पुलिस बल के साथ देखभाल क्षेत्र में छठामील कोटवा रोड गार्गी चौराहे पर मौजूद थे वहीं मुखबिर की खास सूचना पर बीकेटी की ओर जाने वाली नहर पटरी पर स्थिति प्लाट में लगे यूकेलिप्टिस के पेड़ों के पास 3 व्यक्ति बैग में कुछ सामान लिए खड़े है। मुखबिर की खास सूचना पर पकड़े गए 2 व्यक्तियों से जब उनका नाम पता पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम सोनू महतो पुत्र परमेश्वर महतो उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम बाबुपुर तिनपहाड़,थाना तिनपहाड़ जनपद साहेबगंज झारखंड व अमृत कुमार महतो उर्फ नकका पुत्र इंद्रदेव महतो उम्र 32 वर्ष निवासी तिनपहाड़, नीचे टोला, थाना तिनपहाड़ जनपद साहेबगंज झारखंड बताया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 11 एंड्राइड व 1 कीपैड मोबाइल फोन बरामद हुआ। दोनो अभियुक्त को गिरफ्तार कर उचित कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार की बैठक कार्यालय प्रभात पुरम में संपन्न हुई

प्रफुल्ल कुमार राय

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार की बैठक राष्ट्रीय युवा वाहिनी कार्यालय प्रभात पुरम लखनऊ में संपन्न हुई बैठक में राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक हिंदू शिरोमणि देव प्रकाश शुक्ला की गरिमामय उपस्थित रही बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सनातनी रोशनी शुक्ला दीदी वह प्रदेश सचिव अमित शुक्ला उपस्थित रहे बैठक में चुनावी चर्चा के साथ-साथ नए पदाधिकारियों की नियुक्ति हुई जिसमें सच्चिदानंद मिश्र को जिला अध्यक्ष सीतापुर प्रशांत शुक्ला को जिला संयोजक सीतापुर विजय गुप्ता को जिला संगठन मंत्री सीतापुर मयंक शुक्ला को ब्लॉक अध्यक्ष पहला सीतापुर अर्जुन मिश्रा को तहसील उपाध्यक्ष सिधौली सत्य प्रकाश अवस्थी को तहसील अध्यक्ष रामनगर बाराबंकी नीरज मिश्रा को तहसील अध्यक्ष सिधौली सत्यम तिवारी को तहसील अध्यक्ष हैदर गढ़ कुमार सिंह को अटरिया मंडल प्रभारी सुधीर त्रिवेदी को ब्लॉक अध्यक्ष मछरेहटा हरि सिंह को जिला महासचिव लखनऊ प्रमोद गुप्ता को तहसील उपाध्यक्ष सिधौली विनीत शर्मा को ब्लॉक उपाध्यक्ष महोली राजकुमार सिंह को संगठन मंत्री लखनऊ प्रियांशु तिवारी को जिला सचिव लखनऊ वह अमित शुक्ला को तहसील अध्यक्ष लहरपुर के लिए मनोनीत किया गया राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार सभी लोगों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करता है और आशा करता है कि आप लोग संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी का सघन जनसम्पर्क अभियान

संवाददाता, अम्बेडकर नगर। दलितों पर जमकर अत्याचार हुआ उन अत्याचारों के विरूद्ध कांग्रेस पार्टी प्रियंका गांधी के नेतृत्व में आवाज उठाती रही उक्त बाते अकबरपुर विधानसभा की कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका जायसवाल और अमित जायसवाल ने जनसम्पर्क के दौरान कही।उन्होंने कहा जनता के हितों के लिए संघर्ष का समय था तो सपा और बसपा के लोग जनता के ऊपर हो रहे अत्याचारों का तमाशा देख खमोश बैठे थे। अकबरपुर विधानसभा पर्यवेक्षक सीमा पाण्डेय ने कहा देश के गृह राज्य मंत्री का बेटा किसानों पर गाड़ी से दबाकर मार दिया उनके खिलाफभी कांग्रेस पार्टी ही खड़ी रही। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अवधेश कुमार मिश्र ने बताया आज अकबरपुर विधानसभा की प्रत्याशी प्रियंका जायसवाल, अकबरपुर विधानसभा पर्यवेक्षक सीमा पाण्डेय, कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

बिना दरगाह हटाए किया जाए चौड़ीकरण- हयात जफर हाशमी

कानपुर। एमएमए जौहर फैन्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी के निर्देशानुसार एसोसिएशन के मंडल चेयरमैन वसीम शाह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची जहां एनएच 91 चौड़ीकरण के कारण के नाम पर चौबेपुर के मरियानी स्थित आजाद शाह बाबा की दरगाह को बिना अनुमति के बिना किसी सूचना के गिराने की तैयारी चल रही थी। दरगाह कमेटी व क्षेत्रीय लोगों के साथ दरगाह के समीप पहुंच कर टीम ने दरगाह को गिराने का विरोध किया एसीपी चौबेपुर व थाना प्रभारी चौबेपुर ध् बिल्हौर मौके पर पहुंच गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी ने सम्बन्धित अधिकारियों व खुफिया एजेंसियों को बताया कि यदि दरगाह को हटाने का प्रयास किया जाता है तो हिन्दू - मुस्लिम दोनों समुदायों का गुस्सा भड़क सकता है क्योंकि दोनो की आस्था का केंद्र है दरगाह। हाशमी ने कहा इन एनएच - 91 को बनाने वाली कंपनी कार्यदायी संस्था के मनोज शर्मा ने कहा था कि यदि कुछ मकान हटा दिये जाए तो दरगाह को नही छेड़ा जाएगा। क्षेत्रीय लोगों ने कई मकान व घर तोड़ दिये अब अपनी बात से मुकर कर दरगाह को हटाने का प्रयास कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे एसीपी के साथ क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया कि दरगाह को कोई नही छू पाएगा और यथास्थिति बनी रहेगी। प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए।

एनटीपीसी-टांडा में नैगमिक सामाजिक दायित्व के तहत इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

संवाददाता

अम्बेडकर नगर ।एनटीपीसी-टांडा द्वारा अपने नैगमिक सामाजिक दायित्व के तहत युवाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से ''इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम'का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया गया। एनटीपीसी-टांडा के आवासीय परिसर स्थित कर्मचारी विकास केन्द्र में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह रहे।

इस अवसर पर श्री सिंह ने अपना उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा इसके पूर्व भी परियोजना प्रभावित क्षेत्र निवासियों को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। इसी क्रम में 6 परियोजना प्रभावित गावों से 30 युवाओं को चयनित किया गया है जिनको यूपिकोन के माध्यम से 440 घंटे का इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण कराया जा रहा है।

उन्होनें सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा की यह प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आपको स्वरोजगार या कही अन्य संस्थान में कार्य करने का अवसर मिल सकता है। इस अवसर पर उपस्थित जनों से संवाद स्थापित करते हुए यूपीकोन से आए प्रशिक्षक श्री प्रियतोष सचान ने बताया कि इस इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान युवाओं को इसके बारे में बुनियादी तरिके से बताया जाएगा एवं समय समय पर उनके कौशल एवं ज्ञान का मुल्यांकन किया जाएगा। उन्होने इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण के विषय में युवाओं के साथ महत्वपूर्ण जानकारिया साझा की। उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही उनका आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग दिए जाने का आश्वासन दिया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी प्रशिक्षुओं को एन.एस.डी.सी. मान्यता प्राप्त स्किल सर्टिफिक्रेट भी प्रदान किया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकेगें। कार्यक्रम में परियोजना के शीर्ष अधिकारियों, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री बी.सी. पोलई, महाप्रबंधक (परियोजना) श्री जे.एस. अहलावत, महाप्रबंधक (अनुरक्षण) श्री एस.एस.एस. श्रीनिवास, महाप्रबंधक (मा0सं0) श्री एस.एन. पाणिग्राही ने भी अपने संबोधन में युवाओं का हौसला बढ़ाया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया।

सभी वक्ताओं ने इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण युवाओं के लिए अत्यन्त उपयोगी बताया तथा उनसे निवेदन किया की प्रशिक्षण में सक्रिय रुप से भाग ले ताकि उनका कौशल विकास हो सके।

पूर्व विधायक गोमती यादव ने चौथे चरण के चुनाव सम्पन्न होने पर मतदाताओं को दिया धन्यवाद

संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा चुनाव-2022 को लेकर चौथे चरण में मतदान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमें समाजवादी पार्टी से बीकेटी प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक गोमती यादव के समर्थकों ने चुनाव बाद की औपचारिक मुलाकात तथा बूथ लेवल पर हुई वोटिंग प्रतिशत पर चर्चा हुई तत्पश्चात पूर्व विधायक से हुई बातचीत में बताया कि मैं बक्शी का तालाब के मतदाताओं को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और अपार प्रेम और जनसमर्थन दिया और यदि जनता ने मुझे पुन: अवसर दिया तो हम अपने क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित करेंगे और चुनाव में थकान के मुद्दे पर प्रश्न किया तो कहा कि जो पहली बार चुनाव लड़ रहे है थकान उन्हें होती है हम तो पहले भी जनता की सेवा कर चुके है और बराबर कर भी रहे है तो हमें थकान का अनुभव ही नही होता और मैं आज भी अपने समर्थकों के बीच जाकर उनसे संवाद करूँगा और वह क्षेत्र की ओर रवाना हो गये।

रणजी ट्रॉफी राउंड अप: प्रसिद्ध कृष्णा ने लिए 6 विकेट

शाहरुख खान ने भी लगाया अर्धशतक; यश धुल 5 रन बनाकर आउट

कर्नाटक। गुरुवार से घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी के दूसरे लीग मैचों की शुरूआत हो गई है। दूसरे दिन के खेल में कर्नाटक के प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट लिए, तो एक बार फिर से शाहरुख खान के बल्ले का दम देखने को मिला।

कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच खेले जा रहे मुकाबले में कर्नाटक के प्रसिद्ध कृष्णा ने अपनी आग उगलती गेंदों से कहर बरपा दिया है। प्रसिद्ध ने J&K के खिलाफ पहली पारी में केवल 35 रन देकर 6 विकेट लिए हैं। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने J&K की टीम केवल 93 रन पर ढेर हो गई। दूसरे दिन के खेल खत्म होने तक कर्नाटक ने अपनी दूसरी पारी में 128/2 का स्कोर बना लिया है। टीम की कुल बढ़त 337 रन की हो गई है।

इससे पहले कर्नाटक ने अपनी पहली पारी में 302 रन बनाए थे। करुण नायर ने शानदार बैटिंग करते हुए 175 रन की पारी खेली। कर्नाटक के लिए उन्होंने चार साल के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शतक लगाया।

J&K की ओर से परवेज रसूल ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए थे।

दो ग्रुप्स में बांटी गई 10 टीमें

चार जगहों पर खेले जाएंगे 70 मैच

श्रेयस मनोरम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का 15वां सीजन 26 मार्च से शुरू होकर 29 मई तक चलेगा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने शुक्रवार को खबर पर मुहर लगा दी। हवाई यात्रा से बचने के लिए एक ही बायो बबल में टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिससे कोरोना का खतरा कम होगा। टूर्नामेंट पूरी तरह से महाराष्ट्र राज्य में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुंबई में 55 मैच और पुणे में 15 मैच होंगे।

लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस के साथ 10 टीमें कुल 14 लीग मैच खेलेंगी, इसके बाद चार प्लेऑफ मैच होंगे। प्रत्येक टीम पांच टीमों से दो बार खेलेगी, जबकि शेष चार टीमों का सामना केवल एक बार करना होगा। यह तय करने के लिए कि कौन सी टीमें किसके खिलाफ खेलेंगी, टीमों को दो आभासी समूहों में विभाजित किया गया है, जो कि आईपीएल चैंपियंस का ताज पहनाए जाने की संख्या के आधार पर टीमों को टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने की संख्या के आधार पर विभाजित किया गया है।

कौन सी टीम किस ग्रुप में?

ग्रुप ए में मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स शामिल हैं। ग्रुप बी में चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स शामिल हैं। प्रत्येक टीम अपने समूह में टीमों के साथ दो बार खेलेगी और दूसरे समूह में एक ही पंक्ति में टीम के साथ खेलेगी। दूसरे ग्रुप में बाकी टीमों के साथ वे सीजन के दौरान केवल एक बार खेलेंगे।

ग्रुप्स का गणित आसानी से समझिए

उदाहरण के लिए ग्रुप ए में मुंबई कोलकाता, राजस्थान, दिल्ली और लखनऊ के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। मुंबई भी ग्रुप बी में चेन्नई के खिलाफ दो मैच और अन्य टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। इसी तरह ग्रुप बी में बेंगलुरू चेन्नई, हैदराबाद, पंजाब और गुजरात के खिलाफ दो मैच खेलेगा। बैंगलोर भी ग्रुप ए में राजस्थान के खिलाफ दो मैच और अन्य टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी।

नए नियमों के मुताबिक आईपीएल की 10 टीम को पांच-पांच के दो ग्रुप में बांटा गया है, लेकिन इसके बावजूद प्रत्येक टीम पहले की तरह 14 मैच खेलेगी। टीम को आईपीएल में उनके प्रदर्शन के आधार पर ग्रुप में बांटा गया है, जिसमें उनके कुल खिताब और फाइनल्स में प्रवेश को आधार बनाया गया है। मुंबई ने पांच खिताब जीते हैं तो उसे ग्रुप ए में रखा गया है जबकि ग्रुप बी की पहली टीम चेन्नई होगी जिसने चार खिताब जीते हैं।

मीराबाई चानू ने गोल्ड जीत सिंगापुर में फहराया तिरंगा

सिंगापुर। भारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानूने शुक्रवार को सिंगापुर वेटलिफ्टिंग इंटरनेशनल में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 55 किलोग्राम भार वर्ग में क्वॉलिफाइ किया।

पहली बार 55 किलोग्राम भार वर्ग में भाग ले रही चानू ने कुल 191 किलोग्राम (86 किलोग्राम और 105 किलोग्राम) भार उठाया। उन्हें किसी तरह की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा और वह आसानी से पहले स्थान पर रही।

इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया की जेसिका सेवास्टेंको दूसरे स्थान पर रही जबकि उन्होंने कुल 167 किलोग्राम (77 किलोग्राम + 90 किलोग्राम) वजन उठाया, जो चानू से 24 किलोग्राम कम था। मलेशिया की एली कैसेंड्रा एंगलबर्ट 165 किलोग्राम (75 किलोग्राम + 90 किलोग्राम) के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

दिसंबर में विश्व चैंपियनशिप से हटने वाली चानू की पिछले साल तोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक जीतने के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद यह पहली प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता थी। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने राष्ट्रमंडल रैंकिंग के आधार पर 49 किलोग्राम में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वॉलिफाइ किया था लेकिन भारत की अधिक स्वर्ण पदक जीतने की संभावनाएं बढ़ाने के लिए चानू ने 55 किलोग्राम में भाग लेने का फैसला किया।

माफी मांगने के बाद केरल ब्लास्टर्स के जॉर्ज परेरा डियाज और सजा से बचे

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की अनुशासन समिति ने एटीके मोहन बागान के खिलाफ इंडियन सुपर लीग मैच के दौरान अपने आचरण के लिए माफी मांगने के बाद केरल ब्लास्टर्स के खिलाड़ी जॉर्ज परेरा डियाज के खिलाफ और कोई प्रतिबंध नहीं लगाने का फैसला किया है।

परेरा पर मैच के दौरान 'हिंसक आचरण' का आरोप लगा था लेकिन उन्होंने अपनी इस हरकत के लिए माफी मांग ली। एआईएफएफ ने उन्हें कारण बताओ नोटिस देते हुए कहा था कि उनका आचरण एक पेशेवर फुटबॉलर के लिए अशोभनीय है। इससे क्लब के हितों और प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचता है।

परेरा डियाज अब शनिवार को चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ केरला ब्लास्टर्स एफसी के अगले मैच में चयन के लिए उपलब्ध होंगे। एआईएफएफ अनुशासन समिति ने हालांकि उन्हें चेतावनी दी कि अगर वह फिर से ऐसी हरकत करते है तो उन्हें कड़ी सजा दी जायेगी।

एफ-1 ने रूसी ग्रां प्री को किया रद्द

पेरिस । फॉर्मूला 1 विश्व चैम्पियनशिप के रूस के सोची में होने वाले चरण को यूक्रेन में हो रहे हमलों के कारण रद्द कर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोबाइल महासंघ (एफआईए) ने इसकी जानकारी दी। एफआईए ने एक बयान में कहा कि हम दुख और सदमे के साथ यूक्रेन के घटनाक्रम को देख रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि मौजूदा स्थिति का तेजी से और शांतिपूर्ण समाधान निकाला जाएगा। फॉर्मूला 1, एफआईए और टीमों ने हमारे खेल की स्थिति पर चर्चा की और सभी प्रासंगिक हितधारकों के दृष्टिकोण सहित यह निष्कर्ष निकाला गया है कि मौजूदा परिस्थितियों में रूसी ग्रां प्री आयोजित करना असंभव है।

यूक्रेन पर हमले के बाद भारतीय खिलाड़ी परेशान

रूस। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पूरे विश्व में अफरा-तफरी का माहौल है। खेल पर भी इसका बहुत असर पड़ रहा है। यूक्रेन के कई खिलाड़ी व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ उतर आए हैं और वो रूस के राष्ट्रपति का विरोध भी कर रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी भी यूक्रेन पर हुए हमले के कारण परेशान हैं।

दरअसल, टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में भारत के लिए हाई जम्प में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले शरद कुमार के कोच यूक्रेन से हैं।

शरद ने कोच को लगाया फोन

शरद कुमार के कोच निकिटिन यूक्रेन के खार्किव में रहते हैं, जिसे शरद अपना दूसरा घर मानते हैं। निकिटिन पिछले 5 साल से उनके कोच हैं। जैसे ही रूस ने खार्किव में अटैक किया, शरद को कोच की चिंता होने लगी। उन्होंने निकिटिन से फोन पर बात भी की।

शरद ने ट्वीट कर लिखा- मैंने यूक्रेन के खार्किव में अपने कोच से बात की है। वह बहुत परेशान हैं। वह अपने घर से बमों की आवाज सुन रहे हैं। वह अपने अंडरग्राउंड गैराज में शिफ्ट होने के बारे में सोच रहे हैं।

यूक्रेन के खिलाड़ी भी कर रहे हैं विरोध

यूक्रेन के फुटबॉल खिलाड़ी रोमन यारेनचुक ने बुधवार श्वस्न चैंपियंस लीग में बेनफिका के खिलाफ गोल कर मैच को ड्रॉ कराया। गोल करने के बाद उन्होंने अपनी टी-शर्ट उतारकर एक मैसेज दिया।

यारेनचुक ने यूक्रेन का त्रिशूल अपनी टी-शर्ट के अंदर पहन रखा था। उन्होंने अपने देश के समर्थन में नारे भी लगाए।

फुटबॉल प्लेयर स्मोलोव पहले रूसी खिलाड़ी है, जिन्होंने रूस के यूक्रेन हमला का विरोध किया है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने एक ब्लैक फोटो शेयर की कैप्शन देते हुए लिखा- युद्ध न हो...

जर्मन चैंपियन ने किया रेस में भाग लेने से मना

आर पार्थसारथी ने संकल्प गुप्ता से ड्रा खेला

कानपुर । बेंगलुरू के आर पार्थसारथी ने शुक्रवार को यहां 58वीं सीनियर राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियनशिप के शुरूआती दौर में 11वें वरीय ग्रैंडमास्टर संकल्प गुप्ता से ड्रा खेला। पार्थसारथी ने 46 चाल में महाराष्ट्र के संकल्प के साथ अंक बांटे। दिन के अन्य मैच में दिल्ली के युवा हर्षित पवार ने अंतरराष्ट्रीय मास्टर प्रणव वी को हराकर उलटफेर किया जबकि सिक्किम के रोहित गुरूंग ने अंतरराष्ट्रीय मास्टर राहुल वीएस को पराजित किया। सभी शीर्ष वरीय खिलाड़ियों ने उम्मीद के अनुरूप शुरूआती दौर में आसान जीत हासिल कीं।

साहा को मिलेगी सच बोलने की सजा!

गांगुली-द्रविड़ पर उठाए सवाल तो BCCI थमा सकता है नोटिस

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा मुश्किलों में फंस सकते हैं। बीसीसीआई उनसे सवाल-जवाब करने के मूड में हैं। नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जा सकता है।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा से राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने के बाद बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर की गई टिप्पणी के लिए स्पष्टीकरण मांग सकता है, क्योंकि उसे लगता है कि केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी होने के कारण उन्होंने नियमों का उल्लंघन

केंद्रीय अनुबंध में ग्रुप बी में शामिल साहा के बारे में पता चला है कि उन्होंने नियम 6.3 का उल्लंघन किया है। इस नियम के अनुसार, 'कोई भी खिलाड़ी खेल, अधिकारियों, खेल में हुई घटनाओं, प्रौद्योगिकी के उपयोग, चयन मामलों या खेल से संबंधित किसी भी अन्य मामले के बारे में किसी तरह के मीडिया में ऐसी टिप्पणी नहीं करेगा जो बीसीसीआई की राय में प्रतिकूल है या खेल, टीम या बीसीसीआई के हित में नहीं है।'

एफआईएच प्रो लीग 2022 सत्र में भारतीय महिलाओं के प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण क़प्तान सविता

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता का मानना है कि मौजूदा एफआईएच प्रो

लीग टीम के लिए इस साल के 2 महत्वपूर्ण टूर्नामेंट - विश्व कप और हांगजोऊ एशियाई खेल - की तैयारियों के लिए बेहतरीन मंच प्रदान करेगी। एशियाई खेल 2024 में होने वाले पेरिस ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी हैं।

भारतीय महिलाओं ने एफआईएच प्रो लीग में शानदार पदार्पण किया और इस साल के शुरू में ओमान के मस्कट में शुरूआती दो चरण के मुकाबले में चीन को 7-1 और 2-1 से हराया। भारतीय कप्तान सविता ने कहा कि एफआईएच प्रो लीग में शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना 2022 के महत्वपूर्ण वर्ष से पहले उनके खेल का उचित आकलन होगा। इसी वर्ष बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल भी होंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य ध्यान हमारे अपने प्रदर्शन पर है। हम लंबे समय से प्रो लीग में खेलने का इंतजार कर रहे थे क्योंकि हमें इसें दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। सविता ने स्पेन के खिलाफ दूसरे एफआईएच प्रो लीग मुकाबले से पहले वर्चुअल कहा कि इससे हमें महत्वपूर्ण सत्र से पहले अपनी मजबूती और कमजोरियों के बारे में सही अंदाजा हो जाएगा।

यूक्रेन-रूस युद्ध में फंसे खेल

EFA ने चैंपियंस लीग के फाइनल का वेन्यू बदला, रूस की जगह पेरिस को मिली मेजबानी

रूस। चैंपियंस लीग का फाइनल पहले रूस में खेला जाने वाला था, लेकिन अब इसको पेरिस में शिफ्ट कर दिया गया है। UEFA चैंपियंस लीग टूर्नामेंट का फाइनल अब 28 मई को फ्रांस की राजधानी में होगा। वहीं, जर्मन रेसिंग ड्राइवर सेबेस्टियन वेटेल ने कहा है कि वह यूक्रेन में रूस द्वारा चल रहे हमलों के कारण इस साल फॉर्मूला वन के रूसी ग्रांड प्रिक्स में भाग नहीं लेंगे।

चार बार के फॉर्मूला वन चैंपियन ने कहा, आज सुबह की खबर देखकर मैं हैरान रह गया था। मुझे लगता है कि यह सब भयानक है। अगर आप हमारे कैलेंडर को देखें तो रूस में मुझे एक रेस में भाग लेना है, लेकिन अब मैं नहीं जाऊंगा। मुझे लगता है कि वहां रेस में भाग लेना गलत होगा। मैंने अपना फैसला ले लिया है।

बता दें ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय संघ सहित कई देशों के नेताओं ने रूस की निंदा की है।

जंग के ऐलान के बाद ही श्वस्न चैंपियंस लीग के फाइनल मैच को रद्द करने की भी बात हो रही थी। लीग का फाइनल 28 मई को रूस के क्रेस्टोवस्की स्टेडियम, सेंट पीटर्सबर्ग में खेला जाना था, श्वस्न चैंपियंस लीग दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट में से एक है।

ब्रिटिश सरकार खेल के आयोजन के खिलाफ

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और उनकी सरकार रूस में किसी भी बड़े खेल के आयोजन के खिलाफ है। बोरिस सरकार ने यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन से मेजबानी अधिकारों पर दोबारा विचार करने के लिए कहा था। ब्रिटेन की चार टीमें चैंपियंस लीग की टॉप-16 टीमों में शामिल हैं।

बोरिस जॉनसन ने बयान में कहा था- रूस अगर युद्ध करता है तो वह खत्म हो जाएगा। वहां जो कुछ भी हो रहा है वह बहुत बुरा है। लोग उसके खिलाफ हैं और ऐसे माहौल में रूस में फुटबॉल मैच कैसे हो सकता है।

झारखंड के खिलाफ लचर बल्लेबाजी से दिल्ली पर पहली पारी में पिछड़ने का खतरा

नयी दिल्ली ।

युवा बल्लेबाज जोंटी सिद्धू की 78 रन की नाबाद पारी के बाद भी दिल्ली की टीम पर झारखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच में पहली पारी में पिछड़ने का खतरा मंडरा रहा है। झारखंड के पहली पारी में 251 रन के जवाब में दिल्ली की टीम शुक्रवार को गुवाहाटी में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक आठ विकेट पर 223 रन बनाकर संघर्ष कर रही है। टीम अब भी पहली पारी में 28 रन पीछे है।

तमिलनाडु के खिलाफ पिछले मैच में पहली पारी में पिछड़ने वाली दिल्ली की टीम अगर इस मैच से कम से कम तीन अंक (पहली पारी में बढ़त) लेने में नाकाम रही तो वह ग्रुप चरण से नीचे खिसक सकती है। तमिलनाडु के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले जोंटी ने अब तक 176 गेंद की पारी में 78 रन बनाये है। उन्होंने इस दौरान छह चौके और दो छक्के जड़े।

उन्होंने आठवें विकेट के लिए विकार मिश्रा (117 गेंद में 21 रन) के साथ 77 रन की साझेदारी कर दिल्ली को मुश्किल परिस्थितियों से काफी हद तक बाहर निकाला। इस साझेदारी को बायें हाथ के अनुभवी स्पिनर शाहबाज नदीम ने विकास को पगबाधा कर के तोड़ा जिसके बाद अंपायरों ने दिन के खेल की समाप्ति की घोषणा कर दी।ग्रुप के एक अन्य मैच में तमिलनाडु ने पहली पारी में 470 (नौ विकेट पर पारी घोषित) रन बनाने के बाद छत्तीसगढ़ की आधी टीम को 105 रन पर पवेलियन भेजकर मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

छत्तीसगढ़ को फॉलोऑन बचाने के लिए अब भी 215 रन की दरकार है जबकि उसके पांच विकेट बचे हुए है। इससे पहले बाबा अपराजित ने 166 और शाहरुख खान ने 69 रन बनाकर तमिलनाडु को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।